

केंद्रीय विद्यालय क्रमांक १,

आयुध निर्माणी ,तिरुचिरापल्ली, 620016



Kendriya vidyalaya No.1 O.E Tiruchirappalli

ई-पत्रिका सन् २०२०-२०२१

Srijan

सृजन



Website - no1tiruchy.kvs.ac.in

phone - 04312581247

Gmail - kttiruchyoft@gmail.com

केंद्रीय विद्यालय क्रमांक १,
आयुध निर्माणी ,तिरुचिरापल्लि

ई-पत्रिका
सन् २०२०-२०२१



सृजन

KV No.1 O.E Tiruchirapalli

phone: 04312581247

kvtrichyoft@gmail.com
no1tirichy.kvs.ac.in



Principal's Desk

We are happy to release this e-magazine 'Srijan' for the academic year 2020-21.

School is a place for joyful learning. We have stayed connected during these times of isolation, been responsive to the ever-changing regulations and maintained a happy school environment even during the on going pandemic via virtual mode. This has enabled students to focus on their learning and personal growth and remain engaged with the various activities provided by the school.

The 'PEN' has been the delightful medium of expression and the school magazine has always proved to be a good platform wherein students express and share their latent talents, creative ideas and the socio-economic scenario. I am sure this magazine has provided a plethora of opportunities to the students of KV No-1 Trichy to express their creativity digitally with a difference this time.

I congratulate all the budding writers and the Editorial Team who have put in their efforts for the publication of this magazine.

**P P Mallika
I/C Principal**

Kendriya vidyalaya No 1 O.E TIRUCHIRAPPALLY



Editor's Desk...

"Adopt the pace of nature: Her secret is patience"

Ralph Waldo Emerson

It is a matter of immense pleasure to present this edition of 'Srijan'. I am cheerful that as one reads through the pages of the magazine, an entire world of a child's imagination will unfold as a pleasant surprise. I presume that our whole hearted attempt to ignite the spark of creativity in children has been fruitful. These budding minds are all set to soar higher in life. In the current pandemic situation the Kendriya Vidyalaya Sangathan is providing ample number of platforms to the students to showcase their talent through various activities. Vidyalaya magazine is one such insight of such mindful and creative aspects of life.

With the advancement of technology the young minds are exposed to multi-spectral environment full of online knowledge resources, social media interaction and revolutionary out of box ideas. In this edition the readers will see the multifaceted ideas of our very talented students.

The millennials are all set to grow by leaps and bounds in terms of intellect and creative thinking. The current edition of 'Srijan' celebrates this spirit of growth and innovative thinking of our students. It aims to provide platform for the budding authors to display their passion, creativity and original thought process. The publication of this edition has been an enriching experience wherein the entire team of students and staff worked meticulously and displayed great zeal and enthusiasm. On behalf of the editorial board, I would like to express my heartfelt gratitude to the Principal for her constant guidance and support which acted as a catalyst through the entire process of publication.

Mrs. Sangita Singh

TGT English

Editorial Team

English



Sangita Singh
TGT English



Savithri
TGT English

Hindi and Sanskrit



Shruti Paliwal
TGT Sanskrit



Om Prakash Sahu
TGT Hindi

Infographics & Digital support



Susya.S
TGT English



Babi sikdar
TGT Maths



Minakshi Dabra
TGT science

Student Editors



M. Pavithra



*Bhagesri
narayan*



N Madhumithran



R. Dhivyashree



Rani Swaroop



N. Sharulatha



S. Madhumitha

Achievements





X RACHAL SOUNDARI, has participated in National Youth Sports Event 2020-21 and has won GOLD MEDAL in the weapon based Indian martial art Silambam.

She was selected in Next Level Competition in “ International Indo-Nepal Youth Sports Event 2020-21 at Pokhara, Nepal and the player participated from Indian Team Youth Sports Council U-12 Silambam on 19th Feb to 22 Feb 2021.

Our Vidyalaya congratulate such young enthusiast for bringing laurels to us from the field of traditional sport event held at international level.



MOHAMMED JAMAL BASHA K, of our Vidyalaya made us all feel proud when he secured FIRST place in 100 M BREAST STROKE, 100 M FREE STYLE & 4x100 M MEDLEY RELAY in the 6th STATE PARA JUNIOR/SENIOR SWIMMING CHAMPIONSHIP 2021, organized by Tamil Nadu Paralympic Sports Association at Coimbatore District Corporation Swimming Pool from 14th to 16th Feb 2021. His achievement in sports field is commendable and is definitely source of motivation for many.



B BARANI KUMAR has won 1st position in the 47th KVS CLUSTER LEVEL JNNSME EXHIBITION on the theme "RESOURCE MANAGEMENT" at Kendriya Vidyalaya, CECRI campus, Karaikudi, on 20th September 2019-2020.

He has won the participation certificate for Kendriya Vidyalaya Sangathan Regional level in Jawaharlal Nehru National Science, Mathematics and Environment, which was held at Kendriya Vidyalaya Ashok Nagar on 3rd and 4th October 2019-2020.

He has won 3rd position in prototype model 1 category competition organized on CSIR-Foundation day celebration under JIGYASA programme at Karaikudi on 15th September 2019-2020.

CSIR conducted an open day in which they congratulated this budding scientist and gave him a certificate at Karaikudi on 26th September 2019-2020.

Mrs. Alka Sabherwal president of ANWA corps of signals INDIAN ARMY recognized his work as an outstanding achievement in the field of extra curricular activities during the period September 2019 to August 2020.

He

too congratulate him on his representations on various platforms and wish him luck for his future participations in such competitions.



PRAJNA TIWARI, participated in SOF International Mathematics Olympiad and secured International Rank 390, Regional Rank 218 , Zonal Rank 13 and School Rank 1. She also awarded a Medal of Distinction for Performance Excellence at the Zonal level.

हिन्दी विभाग



संपादकीय... ..

अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारे विद्यालय द्वारा वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। विद्यालय विद्या अर्थात ज्ञान का मंदिर है , ज्ञान हमारे जीवन पथ को आलोकित कर सन्मार्ग की ओर ले जाता है। विद्यालय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करता है। विद्यालय में विद्यार्थी ज्ञानार्जन के साथ-साथ शैक्षिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, खेलकूद आदि अनेक प्रकार की विद्यालयीन गतिविधियों में भाग लेकर अपना सर्वांगीण विकास करते हैं। विद्यालयीन पत्रिका विद्यालय का दर्पण होता है, जो विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों , उपलब्धियों एवं बहुआयामी प्रतिभाओं की कलात्मक अभिव्यक्ति का छायाचित्र प्रस्तुत करता है। विद्यालय की साहित्यिक प्रतिभा जिन्हें मंच नहीं प्राप्त होता या जो मुखरित होने से झिझकते हैं , ऐसे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का संचरण और उनकी साहित्यिक प्रतिभा को लेखनी के माध्यम से मंच प्रदान करने का सशक्त माध्यम विद्यालयीन पत्रिका है।

मुझे आशा एवं पूर्ण विश्वास है , कि यह पत्रिका वर्तमान एवं भावी विद्यार्थियों और युवावर्ग में सकारात्मक ऊर्जा का संचार व सृजनात्मक क्षमता के विकास के लिए एक नई दिशा प्रदान करेगी।

शुभकामनाओं के साथ.....



ओमप्रकाश साहू

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक हिंदी

केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 01, तिरुचिरापल्ली

'शब्द'

शब्द क्या है?

शब्द तो बस शब्द होते हैं,
वाणी की तान होते हैं,
इंसानों की पहचान होते हैं,
शब्द बनाते हैं व्यवहारों को,
शब्द बिगाड़ते हैं व्यवहारों को।

शब्दों की क्या परिभाषा?

शब्दों की अपनी परिभाषा हैं,
शब्दों में ही आशा और निराशा हैं,
शब्द तो अनमोल है,

शब्द गोल- गोल है।

शब्दों में क्या रखा हैं?

नेता के शब्दों में राजनीति की छाप हैं,
साधु के शब्दों में ईश्वर का ताप हैं,
आस्तिक के शब्दों में ईश्वर पर विश्वास हैं,
नास्तिक के शब्दों में ईश्वर ही बकवास हैं,
जब शब्द हो मीठे तो सबको भाते हैं,
जब शब्द हो कड़वे तो दिल भी दुखाते हैं।

शब्दों का क्या कहना ?

शब्द ही तो है जीवन का असली गहना,
शब्द जितने सुन्दर हो लोग उतने ही सराहते हैं,
जब पसंद न आए शब्द तो अपशब्द भी सुनाते हैं,
इसलिए बस इतना कहना चाहता हूँ अपने शब्दों में,
आज दुनिया सिमट चुकी है, बस शब्दों ही शब्दों में।



ओमप्रकाश साहू

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, हिंदी
केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 01, तिरु

मित्र कविता

मित्र वही जो मन भाए,
मित्र वही जो साथ निभाए,
मित्र वही जो समझाए,
मित्र वही जो चेहरे के भावों से बात समझ जाए,
मित्र वही जो सन्मार्ग दिखाए,
मित्र वही जो उलझन सुलझाए,
मित्र वही जो उम्मीद दिलाए,
मित्र वही जो हर्ष- विषाद दोनों में रहे निकट,
मित्र वही जो वीणा की तारों की तरह
कर दे चित्त को झंकृत,
मित्र वही जो भर दे जीवन में उमंग,
छेड़ दे कोई आनंद की तरंग,
मित्र वही जो वृक्ष की तरह दे अपनी शीतल छाया,
साथ रहे बनकर साया।

स्वरचित

- श्रुति पालीवाल
- प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, संस्कृत
- केंद्रीय विद्यालय न.1, तिरुचिरापल्लि



सफल हो!!

जितना बड़ा सपना होगा
उतनी बड़ी तकलीफें होगी
और जितनी बड़ी तकलीफें होगी
उतनी बड़ी कामयाबी होगी।
मंज़िल से जरा कह दो
अभी पहुंचा नहीं हूँ मैं
मुश्किलें अवश्य है मगर
ठहरा नहीं हूँ मैं।



-हर्षिता

कक्षा- 9वीं ब

मेरा प्यारा स्कूल

यह मेरा प्यारा स्कूल,
नहीं सकती मैं इसको भूल।
माँ ने मुझे जन्म दिया,
और दिया ढेर सारा प्यार।
स्कूल ने
मेरा ज्ञान बढ़ाकर,
मेरा जीवन दिया सवार।
खूब खेलो और पढ़ो तुम,
कहती यह हमारी टीचर।
बड़े होकर प्रण तुम करना,
देश की सेवा करेंगे मिलकर।



कोई वकील कोई देश का नेता कोई डॉक्टर, इंजीनियर होगा।
भारत विश्व में बनेगा अक्वल,
हर कोई जब शिक्षित होगा।
मेरा प्यारा स्कूल,
नहीं सकती मैं इसको भूल।

नाम : स्वाति

कक्षा : 8वीं

वर्ग : 'द'



मोर के बारे में कविता

मोर मोर मोर,

मोर एक राजा है,

मोर का रंग नीला है,

मोर का गला बहुत लंबा है,

मोर की चोंच लाल होती है,

मोरनी एक रानी है

राजा के सुन्दर नाच को देखकर

खुशी होती है मोरनी के मन में।

कार्तिका एल.

कक्षा - 8वीं ब



माँ पर कविता

प्यारी जग से न्यारी माँ,
खुशियाँ देती सारी माँ,
चलना हमें सिखाती माँ,
मंजिल हमें दिखाती माँ



सबसे मीठा बोल है माँ,
दुनिया में अनमोल है माँ,
खाना हमें खिलाती है माँ,
लोरी गाकर सुनाती है माँ ,

प्यारी जग से न्यारी माँ,
खुशियां देती सारी माँ,
सबसे अच्छी सबसे न्यारी,
मेरी माँ है कितनी प्यारी,



वी.हर्षिता
7वीं अ

हिन्दी कविता:

मंज़िल की ओर

उम्मीदों की पिटारी खोल,
विश्वासों को उसमें घोल,
उमंगों की बांध डोर,
चल दे मंज़िल की ओर,
वक्त की मत कर परवाह,
कल पर मत डाल, न कर ऊहा-पोह।
सोच की अलमारी खोल,
विचारों के वस्त्र पहन,
ख्वाहिशों को उसमें खोज
दुनियां के रंगों में खुद को भिगो,
समक्ष हो दुर्गम पथ मत रुको,
चलते रहो मंज़िल की ओर।

स्वरचित

श्रुति पालीवाल प्रशिक्षित स्नातक।
केन्द्रीय विद्यालय न. तिरुचिरापल्लि



समय

मैं रहता गतिशील निरन्तर, क्षण भर भी नहीं रुकता हूँ।
हाथ-साथ जो मेरे चलता, साथी उसे बनाता हूँ।।
रहता नहीं किसी के वश में, पूरी दुनियां को वश में रखता हूँ!
एक बार जो पीछे रह गया, हाथ कभी नहीं आता हूँ।।
मुझ से नजर चुराता है, मैं उससे नजर चुराता हूँ!
मेरी करता कद्र में उसका, जीवन सफल बनाता हूँ।।
सात जन्म तक करो प्रयत्न, पर लौट कभी नहीं आता हूँ!
मेरा कोई मूल्य नहीं, अनमोल बताया जाता हूँ।।
छोटा हूँ पर धीरे-धीरे, लम्बा बढ़ता जाता हूँ!
सबके लिये जरूरी हूँ मैं और समय कहलाता हूँ।।



भूमी मीणा
8वीं द



गुल्लक

गुल्लक से था मुझको प्यार।
जमा किये सिक्के दो चार।।
चूहे जी कुछ करे कराम।
गुल्लक नीचे गिरा धड़ाम।।

बिखर गया जी कोष तमाम।
लूट सभी बच्चों का काम।।
रो-रोकर फिर बिगड़ा हाल।
राजा पलभर में कंगाल।।

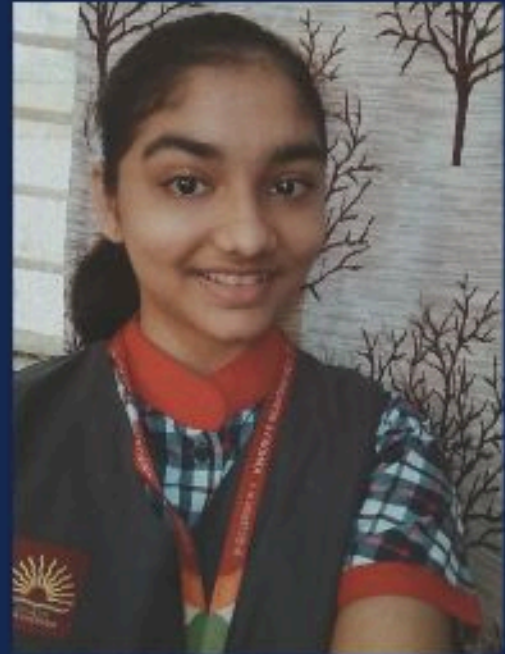
अम्मा आकर देती धौल।
नेह भरा दादी का कौल।
सूखे आँसू अपने आप।
पैसे दे दो करता जाप।।

करता चीख-चीखकर माँग।
जैसे मुर्गा देता बाँग।
ऐसे पर देता है कौन?
थक कर बैठ गया हो मौन।

शाम समय आये जब तात।
उनसे कह दी सारी बात।।
उनके भी तो मन में खोट।
वापस कैसे करते नोट?

तब छोड़ी गुल्लक की आस।
निर्बल जनता की अरदास।।
सुने नहीं कोई सरकार।
कोशिश सारी हुई बेकार।।

– अदिति सिंह
कक्षा 9वीं ब



शब्दों के अंदाज़

अल्फाजों की रसोई से निकले कुछ संवाद,
बिखरे हर रंग रूप के अक्षरों के जुड़े भाव,
अमूल्य थे उन भावों से जुड़े एहसास,
तौलने पर भारी थे मनोभाव,
झोला अपने अंतर्मन का पहले से था कुछ भरा,
डालने को सोचा ले लूं ख्वाबों का खीरा,
इक पल को फिर झांका तो संस्मरण की
सब्जी उसमें से चमक कर हंसी,
कह रही थी मानो थोड़ा लेकर चख लो जिंदगी की इमली
जिसे मिलाकर बनेगी सुस्वाद यादों की चटनी।

स्वरचित

श्रुति पालीवाल

टीजीटी(प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक), संस्कृत
केंद्रीय विद्यालय न.1, तिरुचिरापल्लि



वो बेदर्द !

वो सोया अकेला गद्दे पे, उसे माँ के साथ कथरी पे सोना था ।
परदेश में वो बाबू साहब था, जिसे गाँव का ग्वाला होना था । ।

माखता है जो अहसास कागज़ पे, उसे दादी को बताना था ।
बटर खाकर अब क्या इतराना, उसे घर का माखन खाना था । ।

गाड़ी पे वो दर दर भटकता, जिसे बिजूका बन जाना था ।
कहाँ मैरी गो राउंड में फंसाया, उसे सावन झूला बनाना था । ।

महफिलों में गुम है वो, जिसे नानी के घर का दूध पीना था ।
तरक्की कह दें मेरी नौकरी को, पर गुट्टे का खेल सुहाना था । ।

आया जब वो परदेश खुश था, खुशी का यहाँ कहाँ ठिकाना था ।
मिली है आज तनख्वाह, उसे घेवर के साथ माँ को बताना था । ।

गेस्ट आते हैं अब तो लंच पे, बुआ का यहाँ कहाँ आना जाना था ।
नए कपड़े और टीवी को तो उसे, पूरे मोहल्ले को दिखाना था । ।

शॉपिंग, स्टेटस, तन्हाई को, क्या दिल ने कभी जीवन माना था ।
इतनी पढ़ाई और डिग्री का मकसद, सच में घर संसार छुड़ाना था । ।

चैटिंग वाले हाथों में क्या अहसास, जिसे यारों से पंजा लड़ाना था ।
अंग्रेजी गाने याद करना दिखावा है, जिसे घूमर मांड गाना था । ।

क्या लौट आए वो अब वो बेदर्द, पर कैसे, गाँव पनघट अनजाना था ।
छोड़ आया वो मुसाफ़िर घर गली को अब वहाँ उसके नाम का वीराना था । ।

लौट आऊँ क्या मैं ए दोस्त, सच बता बचा कौनसा बहाना था ।
नहीं चाहिए ये शोहरतें मंजिलें, उसी शमशान की राख बन जाना था । ।



ओम प्रकाश सेन
प्राथमिक शिक्षक
केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1
तिरुच्चिरापल्ली तमिलनाडु

मेरी असफलता

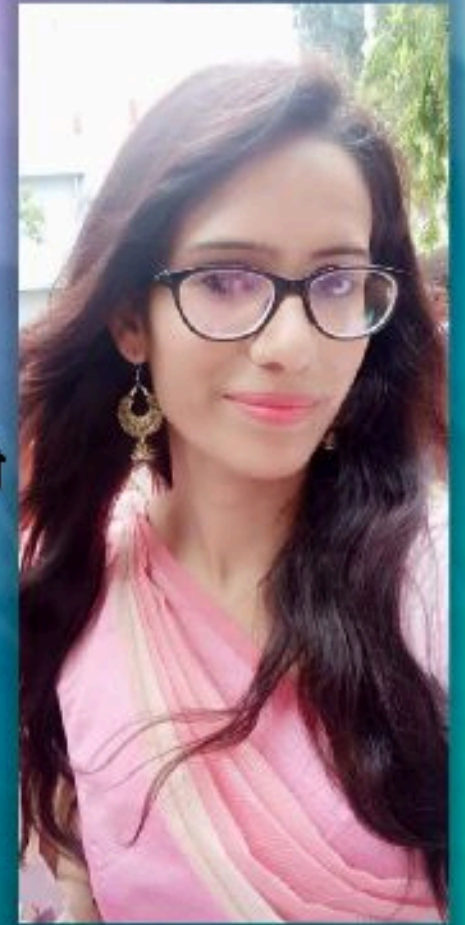
हर बार लगी असफलता ही हाथ
पर शक्ति रही बरकरारा।

कई बार इम्तिहान दिया
पर हर बार मिली असफलता ही हाथा।
जीवन में असफलताओं ने आ डेरा डाला
पर मैंने भी जीवन में
सफल होने का ठाना,
हर बार असफल होने पर भी
एक आशा की शक्ति रही बरकरारा।
सबने कहा कि रखी रहती है
आँखों पर तेरे ये किताब
जो आँखों से कभी न हटती
और लगती असफलता ही हाथा।
हर बार लगी असफलता ही हाथ
पर शक्ति रही बरकरारा।
सबकी सुनकर मैंने भी हार न मानी
और मन में यही ठानी कि
अब निराशावादी बनना छोड़
कर कर्म पर विश्वास।
आशा की एक किरण अब भी
रह गयी थी बरकरार
कि होगी तू जल्द पास।

हर बार लगी असफलता ही हाथ
पर शक्ति रही बरकरार।
मन की अंतर्मन की आवाज
करती यही पुकार कि
होगी तू पास इस बार
फिर इस अंतर्मन की शक्ति ने भी
यही ठाना कि
रह गयी कमी इस बार
उसे करना है तुझे उस बारा।

हर बार लगी असफलता ही हाथ
पर शक्ति रही बरकरार।

प्रियंका शर्मा
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका-हिंदी
केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 तिरुचिरापल्ली



विजय की ओर.....

जब भारत में कोरोना महामारी शुरू हुई तो भारत सरकार ने पूरे देश में लॉकडाउन की घोषणा की। यह 23 मार्च 2020 का दिन था। सारी दुकानें, स्कूल, मॉल और मंदिर आदि बंद हो गए। जब लॉकडाउन का कोई असर नहीं हुआ, तो सरकार ने लॉकडाउन बढ़ाया। इस महामारी ने हमें सामाजिक दूरी और मास्क पहनकर ही बाहर निकलना सिखाया। इस मुश्किल वक्त में भी बच्चों की पढ़ाई बंद नहीं हुई। हमारे अध्यापकों ने हमें ऑनलाइन पढ़ना सिखाया और हमारी मन की शक्ति को मज़बूत बनाया और जीवन को इस मुश्किल वक्त में भी सरल बनाया। हमें हर दिन, हर पल कुछ नया सीखना चाहिए। हमारे देश के वैज्ञानिकों ने दिन रात मेहनत करके इस महामारी का टीका बना लिया है और उम्मीद है कि हम इस महामारी पर विजय पाएंगे। धन्यवाद

Atharav Sharma

Class - 4C

KV No. 1 Trichy



मेरे गुरु !

मैं आपको शत शत शीघ्र नवाती हूँ ॥
आपके दिए ज्ञान से ही मैं
हर दिन आगे बढ़ती जाती हूँ ॥

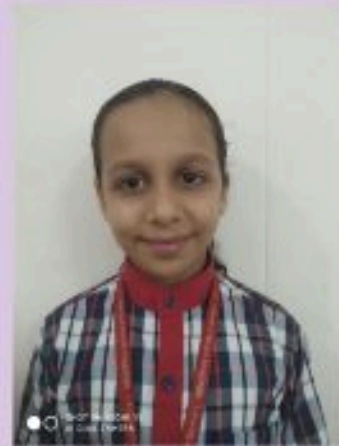
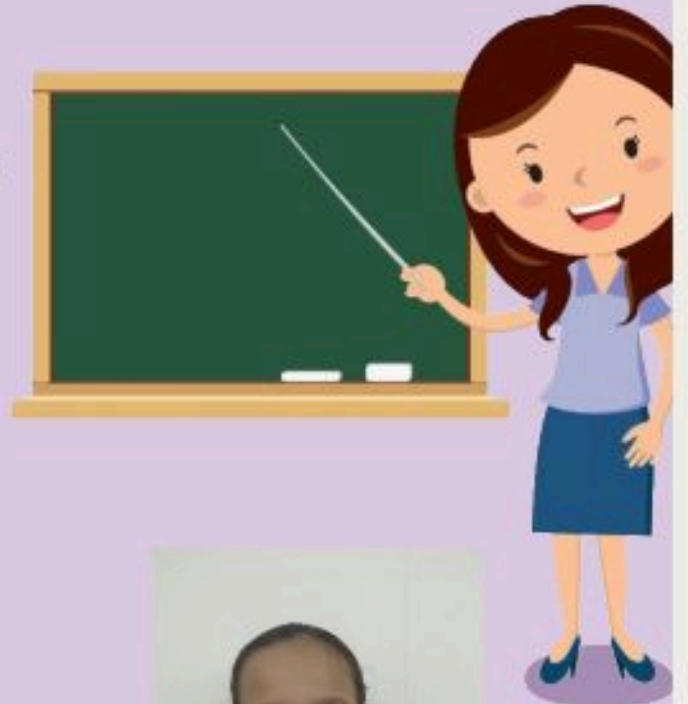
आज इस कोरोना महामारी में तो,
आपका स्थान और ऊपर हो गया है ।
कल तक थे hard copies तक सीमित तो
आज Google meet से नाता हो गया है ।

Non Techie होकर भी
क्या खूब Presentation बनाते हो ।
Online classes के बाद
Extra activities भी करवाते हो ।

आपकी अपार मेहनत से ही मैं
अपना Curriculum पूरा कर पाती हूँ ।
सब कर दिखाया आपने,
आपके हर काम को मैं
एक नई, मिसाल बताती हूँ ।
प्रणाम है आपके रूतबे को
सलाम है आपके जज़्बे को

आपके जैसे धैर्य और मधुरता को मैं
जीवन में अपनाना चाहती हूँ ॥
आपके दिए ज्ञान से मैं
हर दिन आगे बढ़ती जाती हूँ ॥
मेरे गुरु !
मैं आपको शत शत शीघ्र नवाती हूँ ॥

निहारिका, I V D
केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1,
तिरुचिरप्पल्लि



हिम्मत ले और बढ़ता चल.

उन रोशन चांद सितारों से
जो पास है उन्हीं किनारों से
रास्ते में खड़ी दीवारों से
कुछ हिम्मत ले और बढ़ता चल.....

उन बुझती हुई मशालों से
उन पूछे गए सवालों से
उन दिल में छिपे मलालो से
कुछ हिम्मत ले और बढ़ता चल....

उन झूठी सच्ची बातों से
उन सोई जागी रातों से
उन झुर्रियों वाले हाथों से
कुछ हिम्मत ले और बढ़ता चल.....

मां बैठी है एक आस लिए
सब दुख तकलीफें पास लिए
जितनी चाहे उतनी उससे
तू हिम्मत ले और बढ़ता चल.....

● क्या कशती क्या पतवारो की



क्या परवाह ऊंची लहरों की
एक तिनका अपने साथ लिए
बस चलता चल तू बढ़ता चल....

कुछ किस्सो और कहानी से
बहते दरिया के पानी से
उन सपनों की मनमानी से
कुछ हिम्मत ले और बढ़ता चल....

उस आग में तपते सोने से
मत डर अब कुछ भी खोने से
नदियों के समंदर होने से
कुछ हिम्मत ले और बढ़ता चल....

जैसे सूरज जलता रहता
है वक्त भी बस चलता रहता
तू वक्त को अपने साथ बदल
तु बढ़ता चल.....

बस चलता चल....



मीनाक्षी डाबरा

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (विज्ञान)
केंद्रीय विद्यालय क्र.1 तिरुचिरापल्ली

मृदाभिलाषा:

मिट्टीकेढेलेहैं,
राहोंमेंपड़ेअकेलेहैं,
हमारेऊपरसेनिकले,
जानेकितनेरेलेहैं।



श्रुतिपालीवाल,
प्रशिक्षितस्नातकशिक्षक,संस्कृत
केन्द्रीयविद्यालयक्रमांक.1तिरुचिरापल्ली

आतेहैं-जातेहैंजानेकितनेतूफान,
डालजातेहैंउठा-पटक,
अन्यराहोंपर,
काशमिलेकोईऐसा,
जोबनाएमूरतहमसेऐसी,
पूजाजाऊंमंदिरमें,
याकोईडालदेबीजमुझमें,
किउसमेंउगेंअन्न,
जिससेमिटजाएभूखदुखियोंकी,
यारोपदेपौधाऐसा,
किउसमेंखिलेंसुमन,
बिखेरदेंसुगंध,
जिसेदेखकरदूरहोजाएउदासीकिसीकी,
आजाएमुस्कुराहटचेहरेपरशीघ्रही।

अंतिम लड्डू



गाँव में एक बूढ़े कंजूस दंपति रहते थे, रामप्रसाद और उनके पत्नी लक्ष्मी। वे इतने कंजूस थे कि वे कभी अपने घर की मरम्मत के लिए एक पैसा भी खर्च नहीं किए कभी भी कोई अच्छा खाना नहीं पकाया और एक छोटी सी झोपड़ी में रहते थे।

एक दिन एक पड़ोसी उन्हें दिपावली के अवसर पर दो बेसन के लड्डु दिये, उन्हें यह लड्डू बहुत स्वादिष्ट लगे। वे उन्होंने बहुत स्वाद से खाये और बहुत दिनों से उसका स्वाद भूल नहीं पाए वे कितने नरम थे, उनमें से कैसे घी टपक रहा था। वे बहुत दिनों से एक दूसरे को बोलते रहे। आखिरकर रामप्रसाद ने अपनी पत्नी को कह डाला चलो सिर्फ दो लड्डू बनाने के लिए सामग्री खरीदते हैं। यह सुनकर लक्ष्मी बहुत खुश हो गई। पर उन्होंने तय किया की वे लड्डू कहीं अलग जगह पर बनाएँगे सबसे दूर ताकि किसी को इसके बारे में पता न चले।

अगले दिन उन्होंने एकांत जगह पर जाकर लड्डू बना लिए ,पर क्योंकि उन्होंने इसे पहले कभी नहीं बनाए इसलिए उचित माप नहीं कर पाए और दो की जगह तीन लड्डू बना लिए दोनों खुशी- खुशी पर लौट आए।वे लड्डू खाने के लिए बैठ गए पर अचानक उन्हें ख्याल आया की तीन लड्डू कैसे बांटेंगे?एक लड्डू को बीच में से तोड़कर भी कुछ समाधान नहीं निकला क्योंकि उनमें से एक छोटा और एक बड़ा हो गया। दोनों इसे लेकर और लड़ने लगे। बहुत देर तक दोनों आपस में झगड़ने लगे। अंत में रामप्रसाद ने एक सुझाव दिया- 'चलो हम आपस में बात नहीं करेंगे, जो भी पहले चुप्पी तोड़ेगा उन्हें एक लड्डू और दूसरे को दो लड्डू मिल जायेंगे लक्ष्मी: सहमत हो गई और दोनों चुपचाप बैठकर दूसरे व्यक्ति के पहले बोलने की प्रतीक्षा करने लगे।घंटों ऐसे ही बीत गए लेकिन कोई नहीं बोला।दो दिन ऐसे ही बीत गए लेकिन उनमें से किसी ने भी चुप्पी नहीं तोड़ी पड़ोसियों को शक हुआ जब दंपत्ति के घर पर जाके दरवाजा खटखटाया तो चुप्पी के कारण किसी ने दरवाजा नहीं खोला एक पड़ोसी ने छत पर चढ़कर एक टाईल हटाकर अंदर घुस गया और अंदर से दरवाजा खोल दिया ने देखा की दोनों अपने बीच लड्डू से भरा कटोरा लेकर फर्श पर लेटे हुए हैं।

"वह मर गए हैं ,खाना अभी भी वहाँ पड़ा हुआ है सब चिल्लाकर बोले ,सबने अंतिम संस्कार करने की सोची जब लोगों ने उन्हें शमशान घाट पर ले गए और दोनों को चिता पर लेटा दिया दंपत्ति समझते रहे पर शर्त के कारण कुछ न बोले, जैसे ही आग की लपटें उनके पैर को छूने लगी, लक्ष्मी उछलकर बाहर आ गई और बोली तुम गीतं गये मैं मरना नहीं चाहती ,रामप्रसाद भी खुशी खुशी उठकर बाहर आ गए। "हम जीत गये ,मुझे अब दो लड्डू मिलेगा यह चिल्लाने लगा,वे जल्दी से घर की ओर भागे जिससे सभी गाँव वाले दंग रह गए लेकिन जब वे वापस घर आए तो उन्होंने देखा की दरवाजा खुला पडा है और एक कुत्ता लड्डू के अंतिम टुकड़ों को चाट रहा है।

देबोस्मिता साहा

कक्षा- 6वीं द

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1



त्योहार

अंधकार दूर करना है,
समाप्त करना है अंध विश्वास को,
जगानी है उमंग नई,
सच्ची आस्था और विश्वास को
बढ़ना है विकास की तरफ,
कदम से कदम मिलाकर।

बनेगा भारत देश महान,
सपने महान सजाकर।
जातपात और ऊंचनीच को,
जड़ से है खत्म करना।
दिलों से नफरत हटानी है,
अच्छाई और प्यार है भरना।
भारत के हैं कई त्योहार,
जो देते हैं यह सीखा
इनके सच्चे अर्थों को,
हमें समझना है ठीक-ठीक।
तमसो मा ज्योतिर्गमय का,

संदेशवाहक है दिवाली।

प्यार जगाती,

उमंग लाती रंग-रंगीली होली

भाई बहन के अटूट प्रेम को,

रक्षाबंधन दर्शाता है।

जिसकी बांसुरी की धुन मन मोह लेती,

उसका जन्मदिन कृष्णजन्माष्टमी कहलाता है।

विजयसत्य की होती है,

और असत्य की होती हार

इसी तरह श्रीरामचन्द्रजीने,

रावण को दिया था मार

करेंगे हम भी कामनेक, होगी बुराई की हार
इनके संदेश है अमूल्य,

ये हैं हमारे त्योहार।

प्रज्ञातिवारी,

7वीं स

केंद्रीय विद्यालय क्रमांक तिरुचिरापल्ली



नमस्ते

यहाँ एक दिलचस्प लेख है जो आपको इसे पढ़ने के लिए उत्सुक कर सकता है। इस लेख में शामिल विषय टीम वर्क, कला के रूप हैं जो हर छात्र को सीखना चाहिए।

आइए पहले हम अपनी पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में टीम वर्क के महत्व को देखें।

पढ़ाई में टीम वर्क: पढ़ाई में टीम वर्क आपको ज्ञान के साथ-साथ आनंद भी देता है, अगर टीम वर्क को लागू किया जाए तो यह आपके शिक्षाविदों के साथ-साथ सामान्य ज्ञान सत्र में भी भारी परिणाम दे सकता है। टीम वर्क या समूह अध्ययन प्रत्येक का एक अलग ज्ञान स्तर होगा, सभी को अपने विचार व्यक्त करने का मौका मिलेगा, इस बीच बाकी सभी को इससे लाभ होगा। सीखने की इस पद्धति से ज्ञान का व्यापक प्रसार हो सकता है। अगली बात यह है: कुछ कलाएँ जो हर छात्र को सीखनी चाहिए: इस दुनिया में बहुत सी चीजें हैं जो एक व्यक्ति सीख सकता है, लेकिन हम कितना सीखते हैं यह हमारी अपनी रुचि पर निर्भर करता है। लेकिन मेरे पास उन विषयों की एक सूची है जो प्रत्येक छात्र को अपने बचपन में या स्कूल में अध्ययन की अवधि के दौरान सीखना चाहिए,

1. पब्लिक स्पीकिंग - पहला कारण, आजकल बहुत से लोग स्टेज पर खड़े होकर बात करने से कतराते हैं, इन लोगों को अपने भाषण/बात पर भरोसा नहीं होता है, वे डरते हैं और सोचते हैं कि वे जो बात करते हैं वह गलत हो सकता है, दूसरे मामले में - लोग सोचते हैं कि वे मंच पर खड़े होने के लायक नहीं हैं, हालांकि ऐसे लोग बहुत कम हैं लेकिन फिर भी ऐसे लोग मौजूद हैं।

2. नेतृत्व - नेतृत्व केवल एक शीर्षक या स्थिति नहीं है, यह क्रिया और उदाहरण है, सभी को इसे सीखना चाहिए, भले ही यह स्कूलों में नहीं सोचा गया हो।

3. स्व-प्रबंधन: स्व-प्रबंधन लक्ष्यों को प्राथमिकता देने, यह तय करने की क्षमता है कि क्या किया जाना चाहिए। यदि यह कौशल बचपन में सीख लिया जाए तो प्रत्येक सदस्य अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम होगा, उनका अपना मानक, रैंक आदि होगा

कई और कौशल हैं जैसे भाग लेना और योगदान देना, विश्लेषणात्मक सोच, समस्या समाधान, रचनात्मकता, सूचना प्रबंधन, अनुकूलन क्षमता, और बहुत कुछ ऊपर दिए गए कौशल वे चीजें नहीं हैं जो हम किसी कोचिंग सेंटर या ऐसी जगह पर जाकर सीख सकते हैं जहाँ हम पैसे देकर सीख सकते हैं, इसे प्रेरित होकर सीखना चाहिए, उस क्षेत्र में रुचि लेकर, मुझे पता है कि कुछ को यह मिल गया होगा उनके जीन पर, लेकिन याद रखें "कोई भी विशेष पैदा नहीं होता है, लेकिन उनमें विशेष होने की क्षमता होती है"। इसी तरह, जितना हो सके अपने अंदर विशेष योग्यताएं पैदा करें, इसके ऊपर, अपने जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित करें, इसे प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें, कोशिश करें गलतियाँ आती हैं लेकिन गलतियाँ इस बात का प्रमाण हैं कि आप प्रयास कर रहे हैं। अपने स्कूली जीवन का आनंद लें, अपने जीवन में प्राप्त करने का लक्ष्य रखें
प्रेरित रहें
धन्यवाद

दनुश्री
VII- बी



हिन्दी कहानी -



English

section

OUR TEACHERS

They are here,
And so dear,
They are light,
And are always right.



They are gold,
That cannot be sold,
They clear our mind,
By being so kind.

They are great,
And make us accurate,
May it be school,
May it be college,
They are the ones,
Who gives us knowledge.
They make our future,
They are our teachers

By A.Dhikshidha

8 D



DREAM

Dream is seen,
In the sleep,
Dream comes,
Day and night.
Dream is colourful,
Like Peacock,
Dangerous like dinosaurs
And emotional like humans.
Some dreams are real,
Some are not.
Some are continuous
And some are endless.
Dream makes,
Mind fresh,
My poem may have an end,
But my dreams have no end.

- E. Sanmathe

VI - D



Success – What is success? - Who is a successful Person? – AM I ?

We have many beautiful words in the dictionary .If we take the soul of these words in our mind, we can feel the beauty of these words..

Success is one of such words. When will we able to say that “I am a successful person”

After some particular period in our life or at the end ?

Definitely NO!

Any moment one can say, yes I am a successful person in my life. Here arises another question.Who will decide whether you have succeeded in your life? Certainly, It's you,no one else.

Wondered?

Yes. It is possible, because we are designing our life. We should have faith in ourselves and trust our inner-potential. We should frame our goals, develop our values .Never sit back and listen to what others have to say.

Try to find out the soul of some words like love, care, trust, belief, happiness for these essence make others happy.

If we can have a beautiful smile on others' face, yes that moment we can say I have succeeded in this moment.

Love ourselves, our fellow beings, nature and all – unconditionally.

That time we can see all types of discrimination disappearing

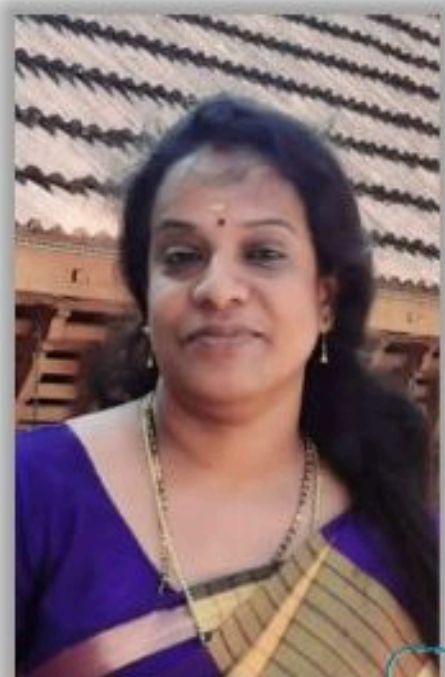
from our mind. We can feel the beauty of equality, leave ego too.

Then we can say ... Yes I am a successful person in my life.

Empathy another beautiful word, take that word's soul in your mind, give helping hand to needy people. You will be in their mind that is another sign of your success.

I must sum up by saying that if you have the will you can do anything in life, When we give wings to our dreams, we too can fly like birds in the air. In every evening, face the beautiful sunset and ask ourselves; Did I succeed today?, Am I a Successful person in my life? Definitely our mind will answer. Listen those words and follow the suggestion from us... Definitely we can succeed in our life

BY
KALA V
PGT COMMERCE
KV NO:1(OE) TRICHY



Honest friends

Once upon a time, there were two girls, Meera and Ammu. Meera was kind-hearted, nice and well-mannered. While Ammu was a bit selfish but sweet at the same time. One day they were returning from school, when they passed a shop. There was a teddy bear that they wanted, but the price was ₹500. They sadly walked on, when they saw a purse. It was pink in colour with a kitten's picture. When they looked inside they were surprised to see a lot of money. Ammu said, "Meera, if we take ₹500, we can buy the teddy bear then later give the purse back." Meera refused, "NO that is a crime, what if we got caught?" "No, we won't, there is a lot of money, no one will notice", Ammu replied. Meera didn't agree. But Ammu didn't care and took the purse. They kept walking when they saw a woman speaking to the police officer.



The woman said, "Sir! My purse is missing. There was a ₹5000 in it. It was pink in colour with a kitten's face in it. Meera and Ammu were shocked. They knew which purse the woman was talking about. They ran to the police officer and said, "Sir we found this on the ground". The woman exclaimed, "THIS IS MINE! Thank you so much girls". The police man was shocked... he said, "I have never seen people as honest as you girls....as a gift for your honesty...here is a teddy bear". They were shocked, because this was the bear they wanted. They thanked him and moved on.



Later Ammu said, "Thank god I didn't take it" Meera replied, "see...if you do good you will get good". Ammu understood and both of them lived happily ever after.
MORAL: Be happy and honest ...you never know what will happen next.
By: A. Devi Krishna
IXD



Nature

Nature is a gift,
Which we can
experience.

Nature is a smell,
Which we can
sense.

Nature is a
scenario,
Which we can
view.

Nature is
everywhere,
Which we can feel.

If we are alone,
It is our best
companion to feel
free,

Nature is constant
in everyone's
life .

B Barani Kumar

VII B



Hope

Laying down under a tree, is it the sun or the leaves I see?

I think, it's the dance of leaves, hosted by the tree.

Birds sing the tune; the wind adds the rhyme.

It's the image of hope, if one sees it all combined.

There is always light, beneath the shadows.

There is always a new day, after a murky night!

There is always hope in every breath, there is always hope in every sight.

Hope is a way to surrender, hope is a way to see.

There are bigger things at play here, for all of us to be.

Let's hope for a better tomorrow and try to forget this sorrow.

It's not wise to ponder over what was, as our time here is borrowed.

SANGITA SINGH

TGT ENGLISH



HAPPINESS

Happiness is not just to be happy,

Happiness is not just to smile,

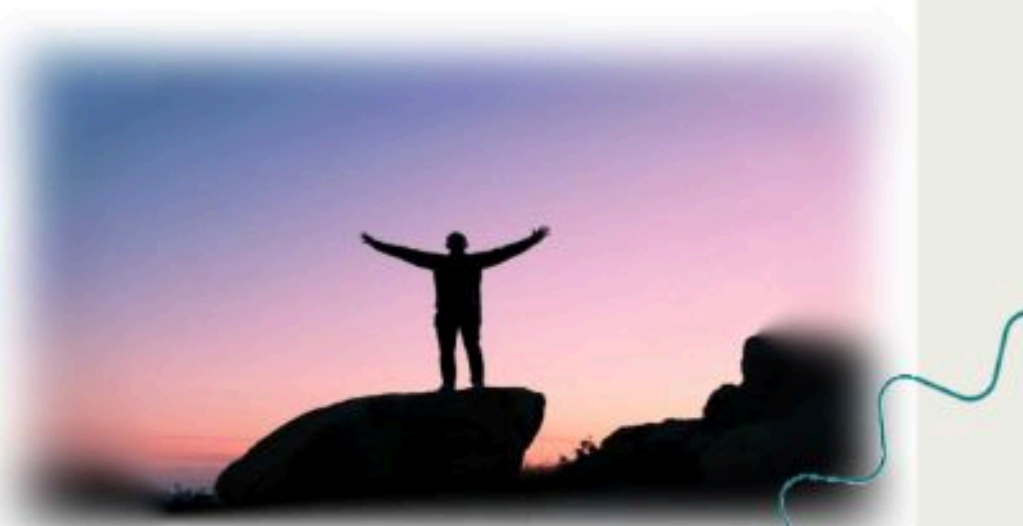
Happiness is not to laugh on jokes ,

Happiness is not being funny,

Happiness means a joy that we do by our heart.

By D Laasya

V A



SLEEP

A dream is an activity of the Mind when we are asleep. Our body and brain recover From fatigue after a good sleep. We dream while sleeping, but we do not always remember our dream. During sleep , our heartbeat becomes slower and our Temperature and blood pressure go down . Dreams help us sleep through noise and other disturbances. Dreams provide solution of those problem. After a good sleep we become alert and active again Ready for the normal activities of the day .

NAME: JUDITH HEPZIBHA

VI E



The Golden Gourds

Once there was a poor farmer named Ramu Patel. He liked to plant only bitter gourd. One day he went to his farm. He saw that his farm was fully damaged but some bitter gourds were left. He took the bitter gourds to his house. He cut a bitter gourd and he was very surprised because he saw gold coins in the bitter gourd. He then cut one more bitter gourd, it was also having gold coins, in fact, all were having gold coins in them. He was very happy.

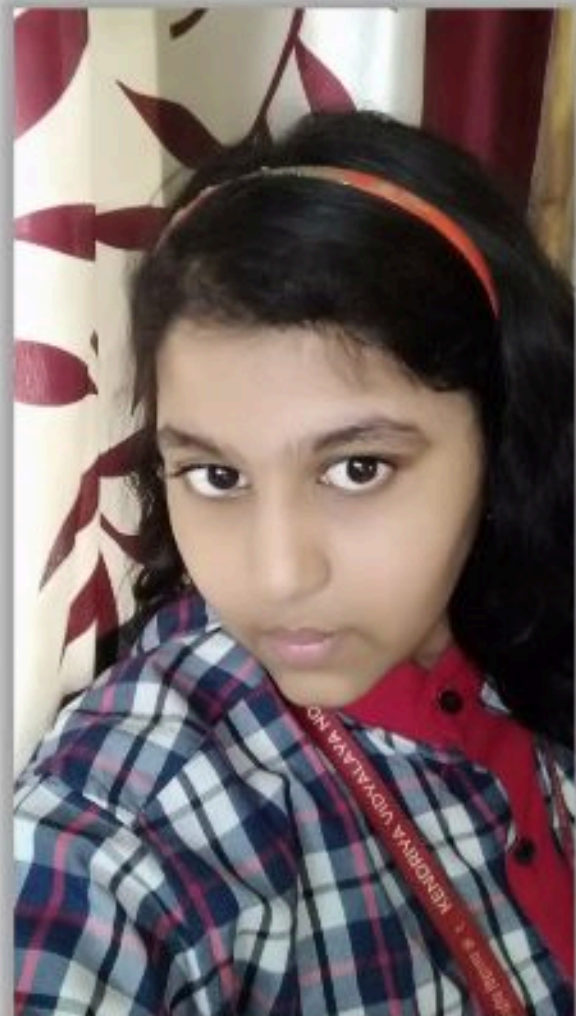


His neighbours and his sister-in-law became jealous of him. But they could not do anything. One day, Ramu's sister-in-law came to his house and asked for some bitter gourds for cooking. Ramu gave four bitter gourds to her. She was very happy and went to her house. When she cut the bitter gourd, she was shocked to see that it had gold coins. She went to Ramu's house and asked, "Do your bitter gourds contain gold coins?" Ramu said, "Yes, But how do you know that?" She ran to her house. she kept the gold coins aside and she took the leftover pieces of bitter gourd to her farm. She planted them. Even after one month no plants but weed covered the farm. The sister - in -law waited for one year. She went to the farm. By this time the plants were grown much bigger. She was very happy. She took the bitter gourds to her house.

She was unaware about the fact that Ramu was keeping his eye on her farm. When she cut the bitter gourds from her farm, the bitter gourd blasted BHAM BHAM BHAM. Her face got fully covered by black substance and the walls of her house also got blackened.

By Vaishnavi Agarwal

VII B



THE UNEXPLAINED-DARK ENERGY AND DARK MATTER

Matter is defined as something having a certain mass and occupies some volume in the space for example atoms, stars, rivers, trees and us. But it is astonishing that this accounts for only 5% of the total universe. And the dark energy occupies 70% of the whole universe whereas dark matter accounts for 25% which are invisible. This is peculiar because this theory states that everything that we encounter is just 5% of the reality.

But it is even worse that we do not have any perfect notion about dark matter and dark energy or how they function. But we are pretty certain that they exist. So, what do we know about them?

Dark matter is the reason behind the existence of enormous galaxies. When we discovered and calculated the composition of universe, it became clear that not just the normal matter exists. The gravity, a component of the visible matter wasn't that vigorous to form complex galaxies. If it was so, the stars would be scattered rather than forming the complex galaxies. So, we knew that something is present around them which doesn't transmit or reflect light. But beside being able to estimate about the existence of dark matter we can observe it, kind of.

Places containing high concentration of dark matter bend the nearby beam of light passing through. So, we know that something is present that interacts with gravity. But at present, we have more knowledge about what dark energy is not rather than what it is! We know that dark matter is not just aggregates of visible matter without stars, because it would omit particles which can be detected. Dark matter is not to be confused with black holes, (as we may because light isn't allowed to pass through both of them) because black holes are massive bodies vigorously affecting the environment around them while dark matter are scattered all over. Dark matter is composed of a complicated particle that doesn't interact with light as we expect it. Dark energy is even more mysterious. We can't detect it, sense it or measure it. But it is quite significant.

Edward Hubble proposed the accelerating expansion of the universe. Before that it was thought that gravity would retard the expansion. The space doesn't change its properties as it expands, there is just more of it. New space is constantly created everywhere. Galaxies are tight bound clusters held together by gravity so this

expansion is approximately negligible in our daily lives. Wherever there is empty space in the universe there is more of it formed. Dark energy is stronger than anything we know and keeps getting more stronger with passage of time. Empty space has more energy than anything else present in the universe. We have many hypotheses proposed by many scientists concerned on dark energy. One of them is that dark energy is not a thing instead a unique property of the empty space. Space has its own energy and it can generate more space and is always active. So as the universe expands it could be that just more and more space accommodates to fill the gaps and this leads to faster expansion. This idea is similar to the Einstein's cosmological constant idea, a force that was antagonist or opposite to the force of gravity that leads to the expansion of universe instead of constriction which is a feature of gravity. But the only problem was, it was quite confusing when we tried to calculate it. Another idea is that empty space is full of temporary particles that continuously form from nothing then disappear into nothing. The energy from those disappearing

and reappearing particles could be the mysterious dark energy. So there remains a lot of unanswered questions. Our theories about dark matter and dark energy are still just theories. It shows that no matter how much we feel we have discovered all of the universe, we are still the apes with smartphones on a delicate island in space looking for the functioning of the universe.

Compiled by- Aditi Nanda, IX B



Journey is more beautiful than the destination

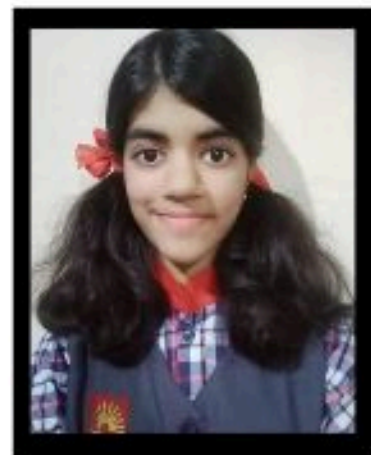
“Reaching your final destination does not give you goosebumps in comparison to the feeling which comes when you look at your journey and remember all those exquisite moments you have experienced during that period.”

Hardwork and dedication is imperative for success

“If you are inclined towards your goal, then there is no doubt that you will certainly become successful, in which hardwork and dedication play a very crucial role, because they demonstrate how much you are focused on your goal. So never hesitate to do hardwork with complete dedication.”

By Indira Dash

I X - 'B'



RHYME OF K.V.NO.1-TRICHY

**Study in our K.V school,
And you will be never called a fool.
Students are into their studies,
And teachers know how to remain as buddies.
They always maintain harmony,
And let students learn from their experiences
which is far expensive than money.
Feel the universal vibration in our nature,
And nobody can spoil our future.
We will feel the ride in Brook,
And know the straight rider rook.
Under the guidance of our Principal,
And K.V.S is known for its principles.
We constantly experience tragic comedy,
And K.V.S always finds magical remedy.
No one can surpass our skills,
And one can surpass the technology of gills.
We fill the answers of universal question bank,
And no one can see the talents of ours beyond the river bank.
Our school literally goes beyond the galaxy to fit,
In the centre and our school's lights of knowledge used to lit.
We come through many hard gate,
And always find a way that would be sate.
Our students go out of the school as a fruit,
And sorry we have wisdom to recruit.
Our wisdom and knowledge shall match to the god of wisdom,
And shall our wisdom build biggest kingdom.**

N.MADHUMITHRAN

XII B



INNATE

We were four, waiting for that.
It came with bright flash and horn.
We got in settled comfortably,
Excited for natural exhibition...!

No words utter silence.
Busy with handy machine.
Only bright faces, shuttered ears.
Dancing fingers untill they wear out.

Once that was part of ours.
Now, we pay to perceive them.
We are going in but already within.
In and out a bafflement.

There are sign boards both the side.
As we entered hassle the natives.
Who were once free and happy.

Oh! There she is.
Bright eyes, stripe coat with little ones.
Once ruling with grandeur...!
On her way to home, she waits and waits and waits...

Finally, she moves with utmost mindful.
There the furious thing came roaring.
Perplexed and scared of onset.
In a flash, left behind the red blemish

-Savithri
TGT english





M. Ammu. M.A.,B.Ed. MD(Acu)

Kids and Kidneys

In general, we know that water gives energy to the body. It lubricates the joints. Kidneys play an important role in the growth of the Children. When the fluids in our body become out of balance, we can set things right by treating the Triple Warmer. We should make sure that the kid is drinking enough water.



It is always important for everyone to drink water. Hydration helps in flushing the toxins from our body. During the online classes, the kids sit in front of the devices for a long period of time. Parents and even the teachers can encourage the kids to do mild stretching exercises to strengthen the lumbar area and leg muscles to support the kidney since the lower back and knees are the physical realm of the kidney.

No doubt that the balance of the fluid in the body is regulated by the kidneys. They will function efficiently only when the kids take abundant water. If the kidney produces more concentrated fluids from the body, there will be more wear and tear on their tissues and the kids will lose their interest in listening.

So, the children should not be deprived of drinking water when they feel thirsty even during the online classes. Teachers and parents should see that the kids always have a water bottle beside them whenever they attend the online classes.

Challenging, exciting and stimulating activities rejuvenate the kids and also improve the health of the kidneys. Restricted mobility may prevent the kids from sensing thirst and from listening to learning. When the kid does not take enough water, his/her body will be dehydrated and the joints become more painful. Since the kidney is the source of artistic creation, kidney system needs some nourishing. We should not forget that kidney is the organ often damaged by stress. The kids must be stress free in this Covid 19 situation. When the kid takes enough water, it helps the kidneys to flush out all the toxins. In turn the kid's body and mind get relaxation.



The kids should sense the feeling of thirst, otherwise, they will not drink enough water. This will result in development of kidney stones, dehydration and losing interest in listening & learning. Besides encouraging the kids to take enough water, they should also be advised to eat a lot of vegetables and fruits, black beans, black walnuts etc. to nourish the kidneys.

Kids develop the skill of listening by taking care of their kidneys. Kidneys are said to "Open in the Ear". It means hearing ability involves proper nourishment of kidneys. Let us create a world of kids with healthy kidneys.

Go! Corona ,Go....

**You are worse than a monster
No doubt you've taught
the human race enough lesson.
But to teach us the value of life,
Should you take away our lives?
You've have taken away the
precious moments of my school life.
I miss my school,my teachers
my friends and the joyful moments.
No more can I wait
from going to school.
For sure, we'll see your end,
But by then ,I fear
my primary schooling will end.....**

**M.ANANTHALAKSHMI
IV C**



WHERE THERE IS A WILL THERE IS A WAY

I missed my school a lot during the pandemic days,

But the lockdown unlocked my mind,
to value the precious things around me.

I missed my class teacher and,

I found a new teacher in "**My mom**",

I missed my friends and,

I found a new friend in "**My brother**",

I missed my school play ground and,

I found a new play ground on "**My terrace**"

I missed my school garden and,

I made my own garden with the help of "**My Father**"

I missed the hands-on class activities,

But now I render my hands for house-hold activities,

I always watched cartoon channels,

But now I have started watching news channels too,

I used to play out door games only but,

now I have learnt many traditional indoor games,

So dear friends, let's learn to face

the changes and **challenges in life**

BE POSITIVE - THIS WILL PASS TOO.....



B.KANISHKA

IV STD

My friend

One day I was walking along a forest. Soon it became dark. I lost my way to my house. I heard somebody calling me, "Come here my friend, I will help you". I was terrified. When I turned back, I saw a fluffy bear. I asked the bear, "Can you talk like me and what is your

name?"The bear replied , "My name is Bhola. Once I saw a deer trapped in a hunter's net. I helped him to escape from the trap; but it was not a deer – It was God. The God gave me a boon to be able to talk like human beings".

Bhola took me to his house made of wood. He had lot of honey stored in his house. He served me with bread and honey and it was yummy. Bhola was narrating about his life in the forest. "Do you roam about in the forest without wearing mask? How lucky you are, Bhola! Forest seems to be a safe place than our's to live in.

We were chatting for a long time. I was telling all about my online classes. As we were chatting I fell asleep .

I was in a deep sleep when Bhola shook me , "Wake up dear and get ready for your online class". I woke up to see only my mom and not Bhola.

It was just a dream. I wish my friend comes again.....

Story by : R. Piraiyazhini
Class : IV B
School : Kendriya Vidyalaya
No - 1.



The Importance of Yoga for children

I'm happy to share the benefits I gained by doing yoga daily.

My father first taught me warm up exercises and basic yoga postures. The one I remembered the best was Ushtrasana, my father said that I was very good at it. My teachers also encouraged me a lot.

At first, I started with two-three asanas per day and later on my father added more asanas into practice. Now I am able to do 16 asanas and Surya namaskar daily in the morning because of the consistent practice.

I and my brother wake up at 6 am, do warm up exercises and the yoga asanas.

The asanas I do daily are -

1	Tadasana
2	Vrikshasana
3	Ardha Chakrasana
4	Pada Hastasana
5	Trikonasana
6	Bhadrasana
7	vakrasana
8	Ardha Ushtrasana
9	Setubandhasana
10	Pavana Muktasana
11	Makarasana
12	Shalabhasana
13	Bhujangasana
14	vajrasana
15	Ushtrasana
16	Dhanurasana



These asanas helped me to improve Balance, Strength, Flexibility, Focus and Memory.

Due to the Covid-19 Pandemic we are at home without outdoor activities for more than a year. We are facing various challenges and also worried about our physical fitness. Yoga and Pranayama is the best solution for this. But friends, make sure to seek proper guidance if you are interested to start practicing yoga .

M.Priya Darshini

IV C

PANDEMIC DAYS GARDENING



During these pandemic days my father and I got very bored. So, my father and I decided to make a kitchen garden on the terrace of our home. My grandfather in Kochi inspired us for this initiative.

We bought seeds from the nearest nursery of variety of vegetables. First we collected soil which was rich in nutrients and mixed it with cocopeat bought from a shop. Initially we nurtured the plants in plastic sacks, later we bought grow bags for proper growth of each plant. We have added sufficient cow dung manure. But we lost many plants due to occasional attacks by monkeys' who were also interested to eat the homegrown vegetables. But we did not give up any day. We used to cover vegetables with plastic paper and stapled it. That was the best way to safeguard our organic vegetables and the result was fruitful as we are able to eat the vegetables from our own kitchen garden now.

Here is the glimpse of fresh organic home grown green vegetables.





Dear friends,

Please don't give up on anything in life and try to utilize these pandemic days in learning new things. The responsibility to save mother earth is more on our shoulders. Let's grow more plants and trees to save mother earth.

"Each one plant one"



BY : T S SREELAKSHMI

4th C

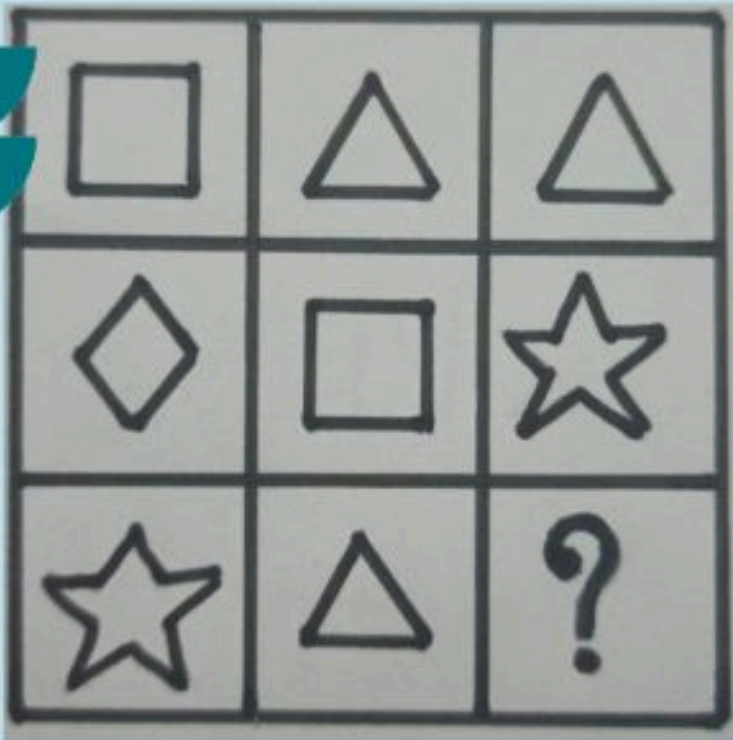


PORTMANTEAUS

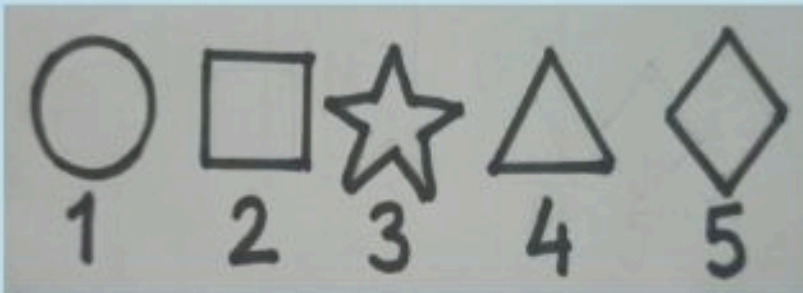
mo tor	hotel	= motel
affluen ce	influenza	= affluenza
sk irt	sh orts	= skorts
stagna nt	infla tion	= stagflation
cam era	recorder	= camcorder
sit uation	com edy	= sitcom
spo on	fork	= spork
avi ation	electronics	= avionics
bi nary	digit	= bit
cine ma	comple x	= cineplex
inter national	net work	= internet
info rmation	commer cial	= infomercial
e lectronic	invitation	= evite
mod ulate	dem odulate	= modem
br eakfast	lunch	= brunch
web	log	= blog
bio graphy	pic ture	= biopic
bro ther	romance	= bromance
ch annel	tunnel	= chunnel
crem ate	remains	= cremains
electr ic	execute	= electrocute
gr oup	coupon	=groupon

Maths puzzle

Can you find the missing symbol?



Choose from these:



Answer:



Explanation:

The answer is star because it has the value of three. If we substitute each symbol in the grid for the appropriate number from the row of symbols we will see that each row and column totals to 10.

Debosmita Saha

Class **6th D**

Kendriya vidyalaya no. 1, Trichy





..... From Social Science
Desk



Brijesh Kumar Verma
TGT SO. SCIENCE

Dear Children.....

The word Social Science has a wide scope. The Social Science comprises academic disciplines concerned with the study of the social life of human groups, animals and individuals including Anthropology, Archaeology, Communication studies, Geography, Linguistics, Economics, Political Sciences, Sociology, History etc.

The study of Social Sciences is considered as vital for the future of the society throughout the world and provides many degrees in the respective fields.

The modern world is making progress by leaps and bounds and Social Sciences have vital role in the development of the world. Human life is enveloped by social sciences in one shape or the other. The man of 21st century is surrounded by unlimited problems , social sciences are the solutions to these problems.

Natural Sciences talk about the facts of the universe; it is the Social Sciences that deal with these facts.



POWER TIPS TO STUDY SOCIAL SCIENCE

Read: Read your books thoroughly.

Mark: Mark the important topics with highlighter.

Notes: Make your short notes and jot down important points.

Timeline: While managing with dates make a chart and a timeline.

Flash cards/Flow chart etc can be used properly.

Mnemonics: To remember the details of the topics use mnemonics.

Map Work: Practice map work to full marks.

JOB OPPORTUNITIES IN SOCIAL SCIENCE DEGREE

Administrator (IAS, IFS, IPS, IRS etc.) Professor or Teacher, Research Analyst, Editor, Geologist, Museum Curator / Manager, Historian, Language Interpreter, Statistician, Oceanographic Manager, Linguistic Anthropologist, Education Counsellor etc.

SOME INTERESTING FACTS ABOUT INDIA

1. India is the origin of world's four major religions- Hinduism, Jainism, Buddhism and Sikhism.
2. India has over 300000 mosques and over 2 million Hindu Temples.
3. India has 22 recognized languages.
4. Rajasthan has a Temple of Rats.
5. Most Indians eat with only their fingers.
6. The village of Shani Shingnapur is famous for not having a door or lock on a single house.
7. India has the highest population of vegetarians.
8. During World War II the Tah Mahal was disguised from bomber planes, as a bamboo stockpile.
9. Indian Standard Time is ahead of 5 hours 30 minutes to UTC (Coordinated Universal Time).
10. On 15 August 1947 the day was FRIDAY, And on 26 January 1950 day was THURSDAY.

Horrified Natural Disasters





Nitya Singh 8B

Prevent the spread of COVID-19 in

7 STEPS

- 01** Wash your hands frequently
- 02** Avoid touching your eyes, nose and mouth
- 03** Cover your cough using the bend of your elbow or a tissue
- 04** Avoid crowded places and close contact with anyone that has fever or cough
- 05** Stay at home if you feel unwell
- 06** If you have a fever, cough and difficulty breathing, seek medical care early — but call first
- 07** Get information from trusted sources



SOURCE: WORLD HEALTH ORGANIZATION

What is Child Abuse?



Ridiculing a child



Touching a child in a way that makes the child feel confused, unsafe or uncomfortable



Making fun of a child



Disregarding a child's health needs



Pressuring a child to meet adult's needs and expectations



Employing a child to work in your house



Tricking a child



Not allowing a child to attend school



Ignoring a child's emotional well-being



Forcing a child to touch you



Beating a child



Hitting and humiliating a child

Smart Ways To Keep Yourself Safe



BODY

You are the boss of your body. No one is allowed to hurt your body in any way.

PRIVATE BODY PARTS

The parts of your body covered by your undergarments are your very own private body parts. It is never alright for someone to touch, talk about or look at your private body parts except for health reasons. TOUCHING RULE 1



GIFTS

Sometimes people try and trick you by giving you sweets, money or gifts to break the touching rules. Refuse to do what they ask and don't take gifts they give you.



HUGS

Hugs and kisses are nice, especially from people you like. But if they make you feel scared, confused or uncomfortable, make sure you tell a grown up you trust. TOUCHING RULE 2



SECRET

Secrets about touching are not okay. Always tell your trusted adult if someone tries to break the touching rules and asks you to keep it a secret.



NO

If someone tries to break the touching rules, it is very important to learn to use this word. Use loudly. (NO)



SHOUT AND GET AWAY

Practice shouting – because that's what you need to do when someone is trying to touch you in a way which makes you feel confused, scared or uncomfortable.



TELL

If you are worried, confused or scared by the way someone touches you or makes you feel, tell a grown up you trust about it. If the person you tell doesn't help you then tell someone else. And keep on telling till you get the help you need. Some examples of grown ups you may want to tell are parents, teachers or grandparents.

IT IS NEVER YOUR FAULT

Always remember, it is never your fault when someone breaks the touching rules.





**CHILD
LINE**

1098

NIGHT & DAY

If you are a child
in India and you
need help, call
ChildLine:

1098



संस्कृत विभाग



संपादकीयः,



अस्माकं विद्यालयः केंद्रीयः विद्यालयः क्रमांकः १, तिरुचिरापल्लि, शिक्षा प्रांगणे एकः दृढ़ स्तंभमिव शोभते। वयम् अतीवः उल्लासेन उद्बोधयति वयं अस्माकं विद्यालयस्य पत्रिका "सृजनः" प्रकाशितवान् कुर्मः। विद्यालयस्य पत्रिका विद्यालयस्य गतिविध्यां प्रतिबिम्बं अस्ति। अस्मिन् पत्रिकायाम् "सृजनः" विद्यार्थिनः कः संपूर्ण वर्षायाम् बोधयन्ति कुर्वन्ति च इति विवरणं सम्यक् रूपेण प्रस्तुतः अस्ति। सृजनः पत्रिकायाम् विद्यार्थिनः मौलिकः कृतिं प्राधान्येन प्रस्फुटितं , तेन स्वाभाविकः विचारः अभिव्यक्तिः, लेखनम्, चित्रणं , क्रिया कलापः वयं प्रशंसां कुर्मः, तेषां उत्साहः प्रयासः सम्यक् रूपेण परिलक्षिता दृष्टिगोचरः अस्ति।

अहम् विद्यार्थिनः उज्ज्वलं भविष्यं कामनां करोति।

अस्मिन् वर्षे अनेके दुविधां समस्यां छात्राः शिक्षकाः अवलोकयति कोरोना एकोनविंशति कारणे।

ते विद्यालयं आगमनं न शक्नोति तथापि ई- शिक्षा माध्यमेन तेन समस्यायां निवारणं संभवनम् एकः नवीनः आशाम् संचारं करोति। ते विविध क्रियाकलापे सहभागम् अकरोत्।

ते स्वकौशलं ई - माध्यमे प्रस्तुतवान् समर्थः सन्ति।

वयं सर्वाधिकं हर्षं अनुभवति छात्राः शिक्षकाः संपूर्णः वर्षं कार्यं, क्रियाकलापं संग्रहणम् अस्मिन् पत्रिके प्रकाशितेन सार्थकं प्रयासः सफलं अभवत्। अहं सर्वे शिक्षकाः अभिनन्दनम् करोति, सर्वे सहयोगेन सृजनः पत्रिका वर्तमानः स्वरूपे प्रस्तुतः अस्ति। अहं अस्माकं प्रधानाचार्या अभिवादनं करोमि, तथा वयं पथप्रदर्शकमिव सर्वदा प्रेरयति।

सर्वे उत्साहशीलाः भवतु, स्वस्था

भवतु इति मम शुभा वाञ्छा !

भवती शुभाकांक्षी

श्रुतिः पालीवालः,

प्रशिक्षितः स्नातकः शिक्षकः, संस्कृतः

केंद्रीयः विद्यालयः क्रमांकः १

तिरुचिरापल्लि , तमिलनाडुः

लोकः कथा

पितुः प्रहेलिका

एकदा एका ग्रामः अवसत् एकः धनिकः जनः आसीत्। सः मित्र नामन् सुमनतः अति शिक्षितः प्राज्ञः च आसीत्। सः त्रयः पुत्रदाः सन्ति। एकस्मिन् दिने, वृद्ध पञ्चत्वं गतः। सः सप्तदशः अश्वाः, अधिक स्वर्णाः क्षेत्रम् च स्वः पुत्रात् अव्यजत्। सः सर्वः व्येति त्रिधा किन्तु अश्वाः व्येति तत्र एकम् प्रहेलिका। प्रहेलिका सन्ति- अर्धभाग समस्त अश्वाः समर्पित ज्येष्ठ पुत्र, शेषभागे द्वे-तृतीयः भागः समर्पित द्वितीयः पुत्रः किम् अवशेष द्वे-तृतीयः समर्पित तृतीयः पुत्रः च। अर्धभागः सप्तदश अश्वाः तात्पर्यं अष्ट अर्धभागः अश्वाः च ज्येष्ठ पुत्रात्। अर्थात् एकः अश्वाः हन्ति हार्या द्वे-तृतीयः अष्ट अर्थात् एकः अश्वः अपि हन्ति। वृद्ध जनः प्रिय तस्य अश्वाः कदा इच्छति अश्वः हन्ति। अतः किम् सः अर्थः? यदा ते न समाधानं करोति, ते पितुः मित्र सुमनतः कथितः। प्रत्युत्तरं सः श्वः प्रातः आगच्छति भाग करोति अश्वाः चा अग्रिम प्रातः सः स्व अश्वः आगत्। शीघ्रं अश्वः अन्य अश्वाः सह उत्थितः। सः अवदत्-"इदानीम् तत्र अष्टादश अश्वाः इति। इदानीम् अहम् भाग करोति समयेन पितुः इच्छा"। पर पुत्राः कथित तत्र अस्माकम् पितुः इच्छासुमनतः कथितः -"चिंतामास्तु न तिष्ठतु अहमद स्वीकरोति अश्वः। अर्ध भाग अष्टादश नव अस्ति, अतः ज्येष्ठ पुत्र लभेत् नवअश्वाः। इदानीम् मध्य शेष अश्वाः द्वे-तृतीयः अर्थात् षट् अश्वाः गमिष्यन्ति द्वितीयः पुत्र। इदानीम् तत्र त्रयः अश्वाद्द्वे-तृतीयः त्रयः अर्थात् द्वौ अश्वाः मध्ये त्रयः गमिष्यन्ति तृतीयः पुत्र। अतः एकः अश्वः शेषः, सः मम् असीत्। मम् स्वीकृति अश्वः गृहं गच्छामित्रयः पुत्राः पृष्ट कथम् करोसि बिना अश्वः हत्या? सुमनतः स्मित कथित् च" अनुभव मम् अनेक शस्त्राणि पठितवान्। अनुभवः श्रेष्ठः गुरुः अस्ति। अनेके समये कार्यं प्रतिभाति असाध्यः किन्तु यदि कश्चिद् ददाति कार्यं उपक्षेपण सम्यक् शक्यते प्रणिहिता।

देबोस्मिता साहा 6वीं द
केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1
तिरुचिरापल्लि



संस्कृत अस्माकं भाषा

संस्कृत प्राचीनतमा भाषास्ति। इयं भाषा अनेकाषां भाषाणां जननी। अस्याः वाङ् मयं वेदैः पुराणैः नीतिशास्त्रैः चिकीत्साशास्त्रं अपि समृद्ध अस्ति। व्याकरणेन सुसंस्कृता इयं भाषा जनानां सुंस्कारम, काव्य सौन्दर्यम, ज्योतिषशास्त्र, खगोल विज्ञानं, रसायनशास्त्रं, विमानशास्त्रं, आत्मवत् व्यवहारम सम्यक् शिक्षयति।

संस्कृत भाषायाः विशिष्टं महत्त्वम् अस्ति। संस्कृते सूक्तयः प्रेरयन्ति यथा सत्यमेव जयते, वसुधैव कुटुम्बकम्, योगः कर्मसु कौशलम्, विद्यया ङ्मृतमश्नुते, महापुरुषगाम्वाणी मतिः, सामान्य जनानां जीवनपद्धतिः च वर्णिताः सन्ति। “संस्कृतिः संस्कृताश्रिता” इति उच्यते। अस्माभिः सर्वैः संस्कृत-स्मरणीयाः।



“जयतु संस्कृतम्” “जयतु भारतम्”

आदित्य नंदा
6वीं स

त्वदीयं लक्ष्यः

लभन्ते ततः
चिन्तयेत् ततः , प्रतिदिनं , प्रतिज्ञातुं , प्रतिक्षणं !
अनुधाव करिष्यामि
मा भवतु स्वार्थान्धः
आयसं कुरुतः
विनियोगाद् द्रुतं उत्थाय च तीव्रं सदा
अतः एकहं वासर भविष्यामि ,
यत्र मा वृतः त्वदीय भविष्य भविष्यामि सेव्यत् ,
अन्तिमं यूयं अवाप्स्यसि मधुरं फ़लं प्राप्यां।
अतः त्वं लभ्यः तदा।

दनुश्री



शुभाशयाः

हृदयस्य शुभाशयाः,

सृजन भव!

कौशलेन विकासः भव!

चेतनायुक्तः उत्कर्षः भव!

दृढः विश्वासः भव!

नूतनं उल्लासः भव!

धरा नवकिसलयेन पल्लविता भव!

पादपेन हरिता भव!

पावनं सम गङ्गा विचारं भव!

चित्तेन जलमेव निर्मलं भव!

आचारः स्फटिकमिव उज्ज्वलं भव!

दिनकरं सदृशः प्रतिदिनं भासितं भव!

देहली दीपकमिव गृहं प्रदीप्तं भव!

द्वेषः रागः सर्वं दूरं भव!

सर्वे सुहृदः भव!

स्वस्था भव! पुलकितः भव!

हृदयस्य शुभाशयाः,

संपूर्णं भव!

प्रयासेन सफलं भव!



स्वरचितः

श्रुति पालीवालः

प्रशिक्षितः स्नातकः शिक्षकः, संस्कृतः

केन्द्रीयः विद्यालयः क्रमांकः १, तिरुचिरापल्ली,

तमिलनाडु

संस्कृत: शैक्षिक पंक्तयः

शतहस्त समाहर सहस्रहस्त संकिर ।

**Earn with hundred hands and
donate with thousand.**

**सौ हाथ से कमाओ और हजार से दान करो।
न मातुः परदैवतम् ।**

There is no god better than mother.

मां से बढ़कर कोई देव नहीं है।

जीवेषु करुणा चापि मैत्री तेषु विधीयताम् ।

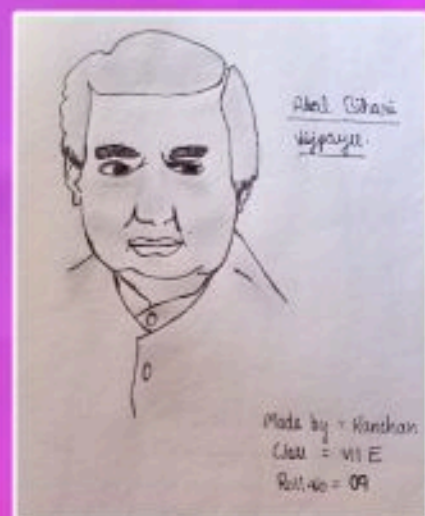
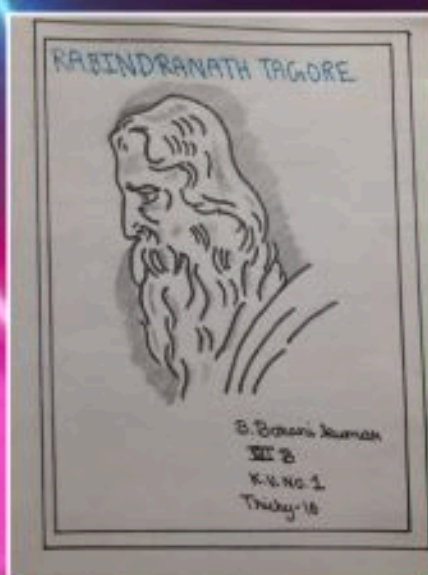
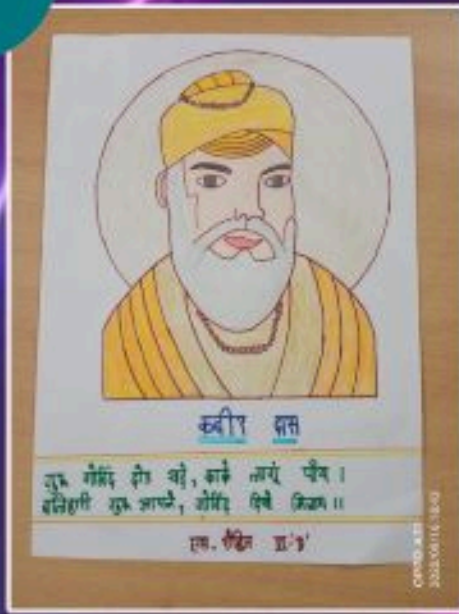
**Be compassionate and friendly to
all living beings.**

जीवों पर करुणा एवं मैत्री कीजिये।



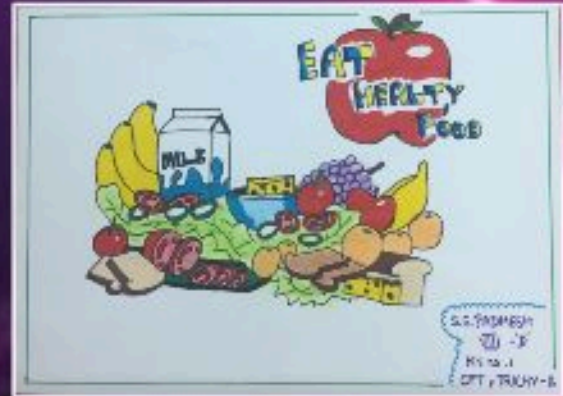
S.P. RAJESWARI 11th B

POSTER CORNER!











"THERE IS NO GOD HIGHER THAN TRUTH"

"THE FUTURE DEPENDS ON WHAT YOU DO TODAY"

GANDHI

KENDRIYA VIDYALAYA NO.3 TRICHY - K

CLASS : 8D
S.S.PADMESH
7.10.2020



"STRENGTH DOES NOT COME FROM PHYSICAL CAPACITY. IT COMES FROM AN INDOUBTABLE WILL."

"WHERE IS LOVE THERE IS LIFE"

S.S.NEESH
CLASS 8 SEC: 6 E
TRICHY
KENDRIYA VIDYALAYA NO.3



कमजोर लोग बड़ी ताकत
नहीं दे सकते, जमा में तब तक
जोनों का विरोध लोग हैं।

The weak can never forgive
Forgiveness is the attribute
of the strong.



Pragya Dhanraj
Class 8
Date: 10/10/2020

"An eye for an eye only makes the whole world blind"

-MK GANDHI



THE WEAK CAN NEVER FORGIVE. FORGIVENESS IS THE ATTRIBUTE OF STRONG...

-MAHATMA GANDHI

PRAGYA DHANRAJ CLASS 8

Art Gallery,

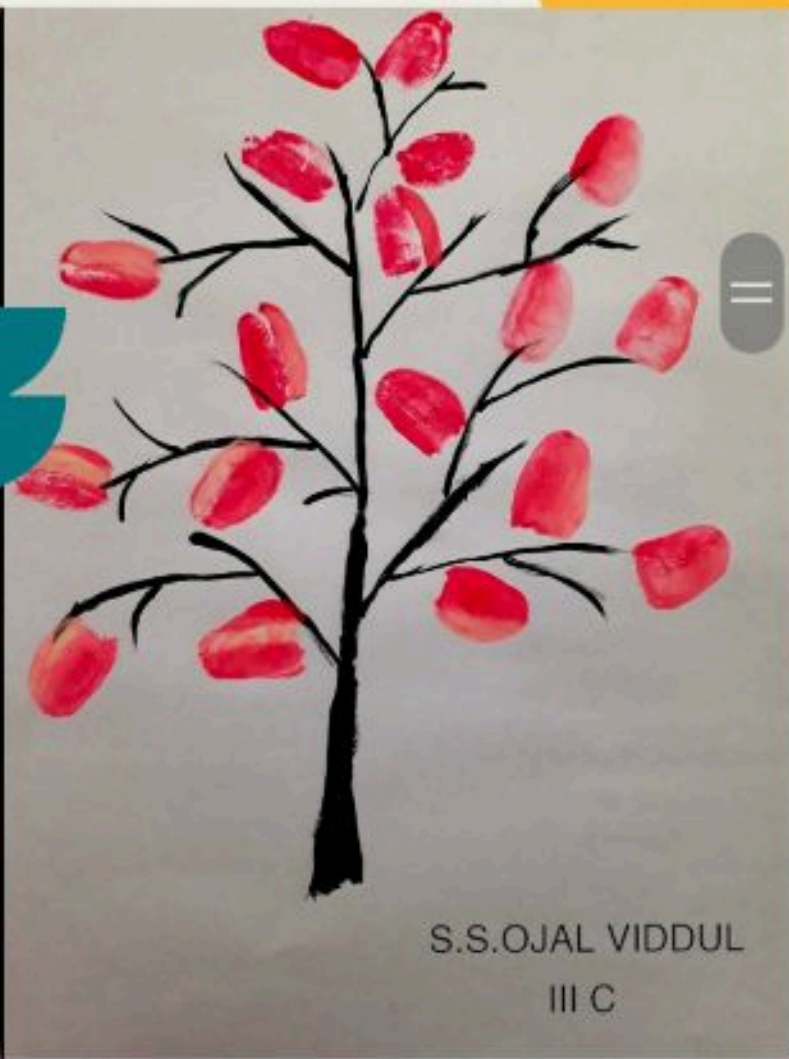
ART GALLERY

Art Gallery,





Devana Saway - 8/1



S.S.OJAL VIDDUL
III C



Devana Kshwar - Bi Nair

ROHITH
V D





Devdauh-B-Nath. CLASS: VI C'

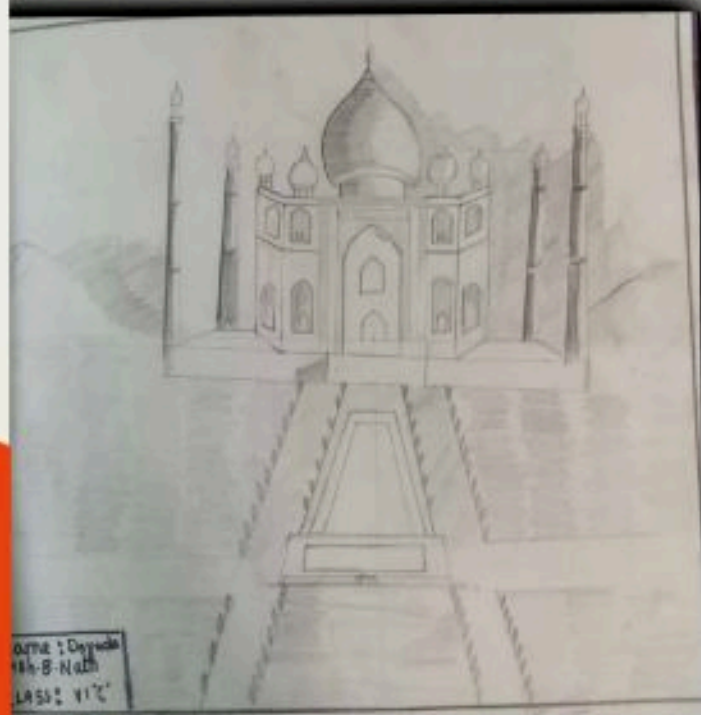
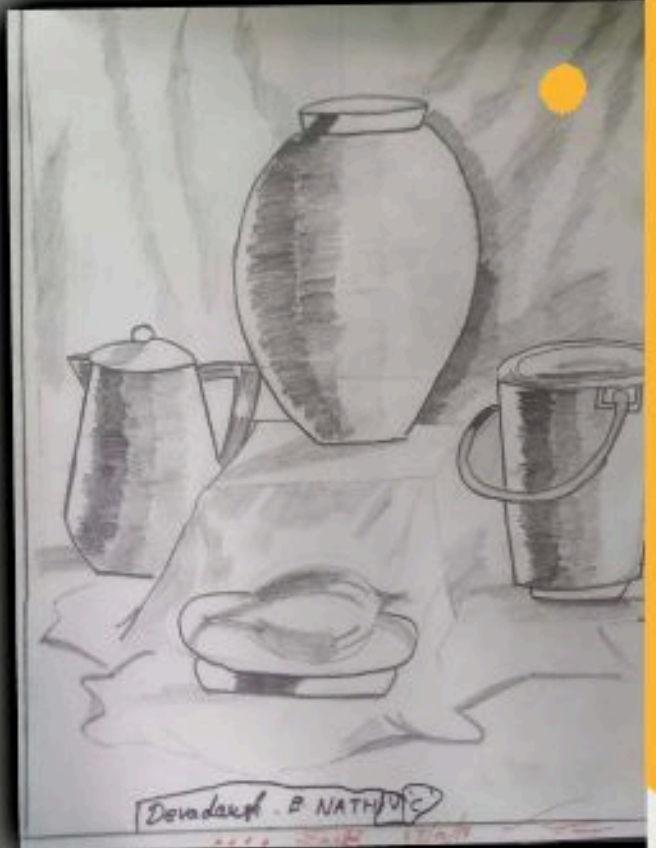




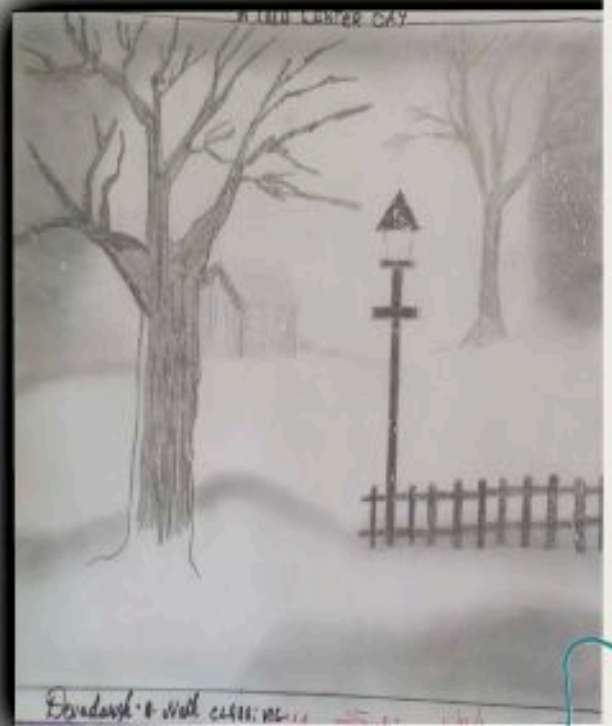


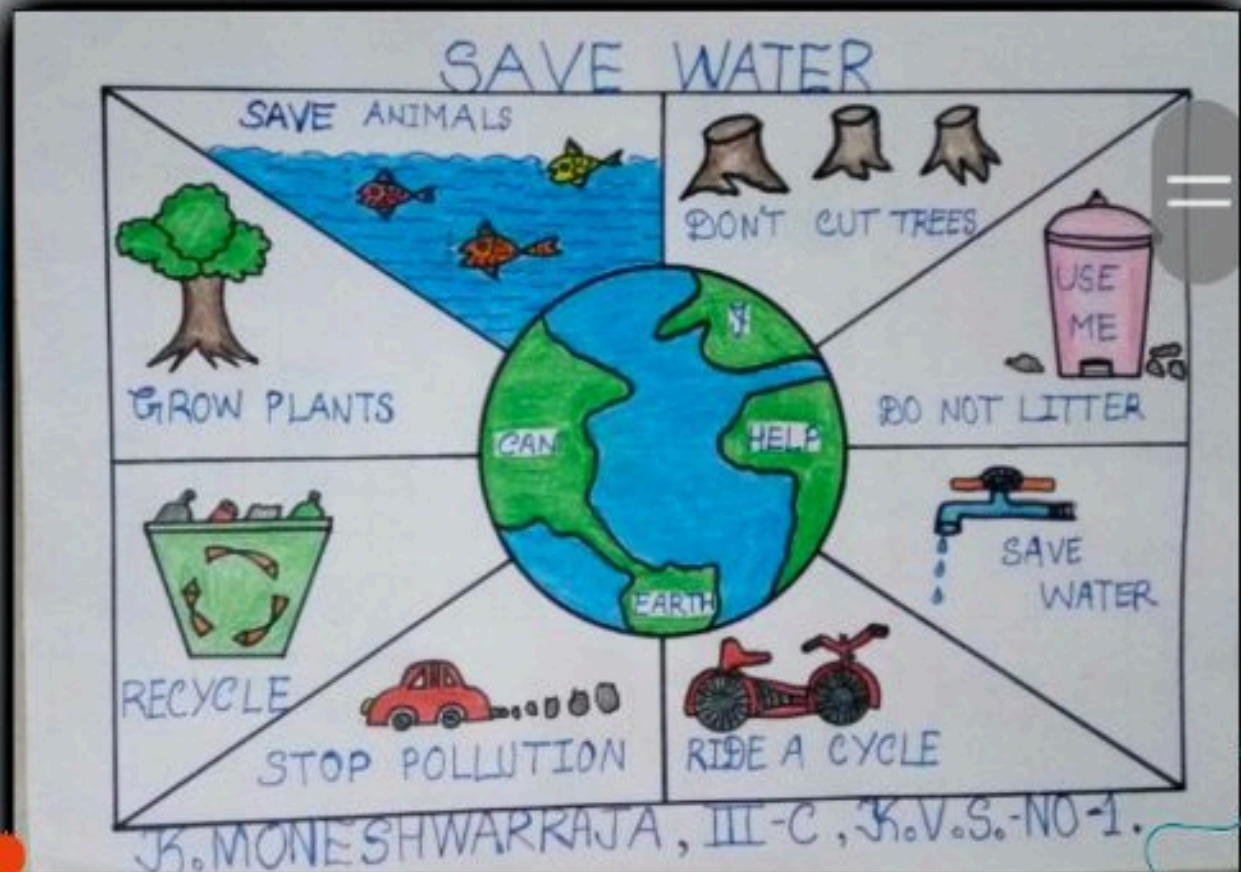
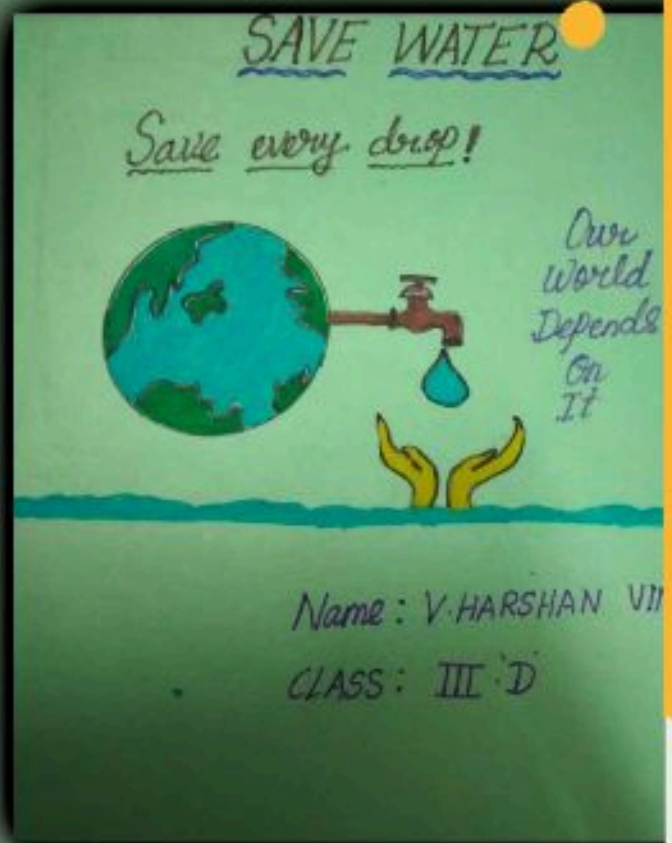
P.Naveenkumar

IV B



Artist : Devadash
184-B-Nath
CLASS : 11th





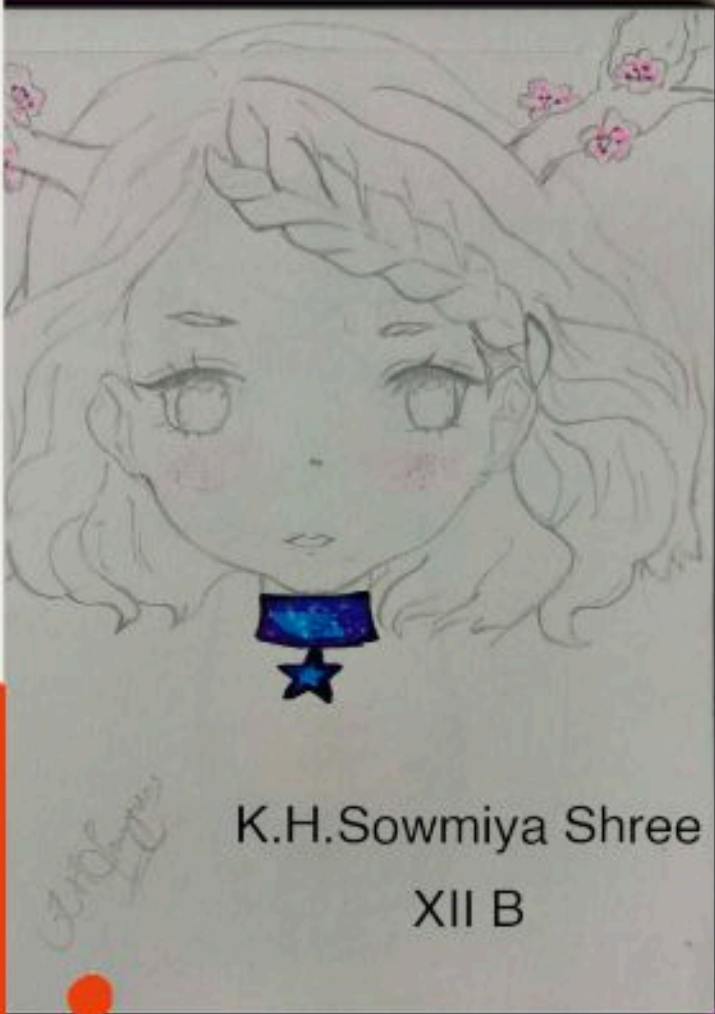
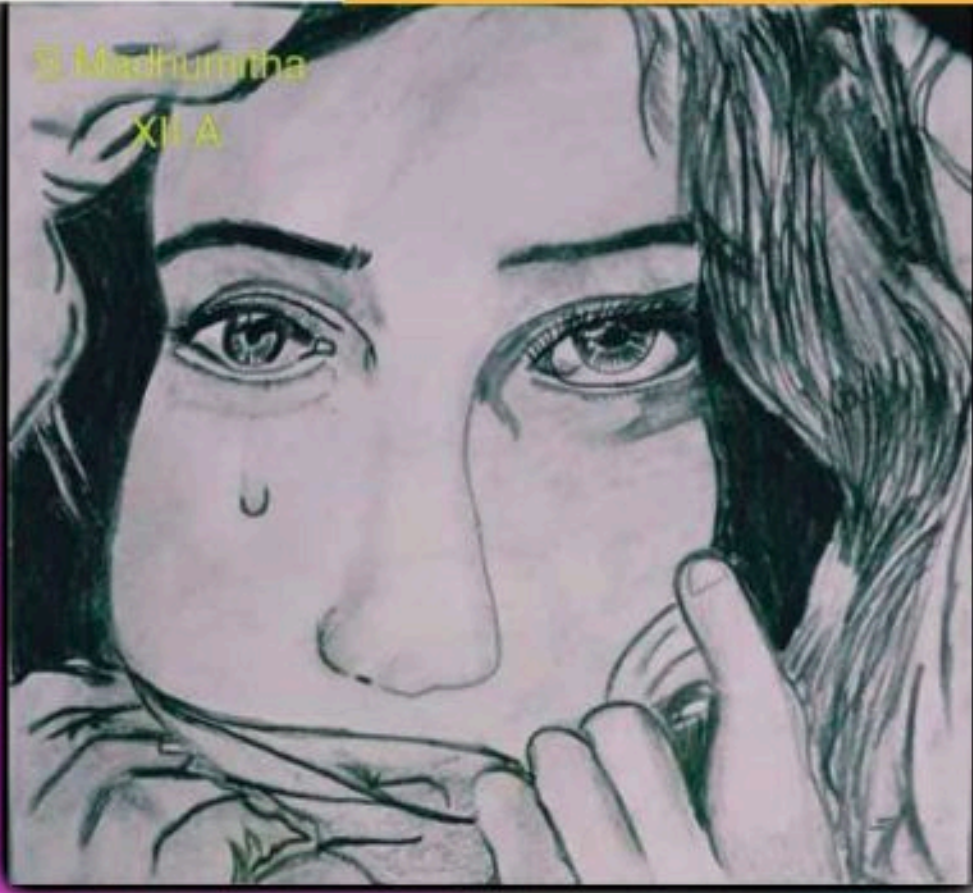
S.Madhumitha

XII A



எலக்ட்ரானிய வாழ்க்கையும் பரவாறு ஆவதில்லை
பரவாறு அணுஅணு யாரும் தனக்காக வாழத்தேவையில்லை
- LAMPREYAR

S Madhumitha
XII A



K.H.Sowmiya Shree
XII B



K.H.Sowmiya S
XII B

S.Madhumitha

XII A



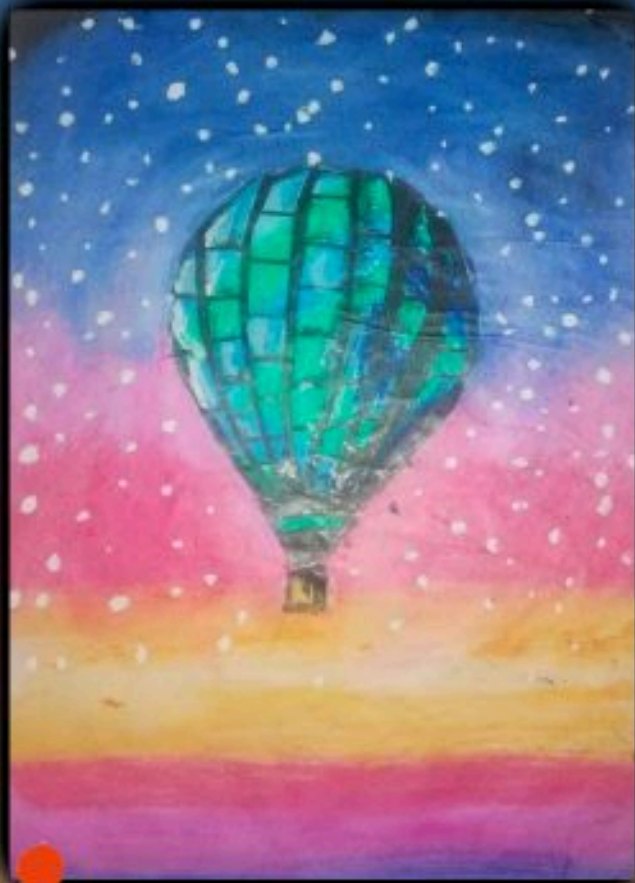
It is Better to WIN OVER SELF THAN TO WIN OVER A OCS

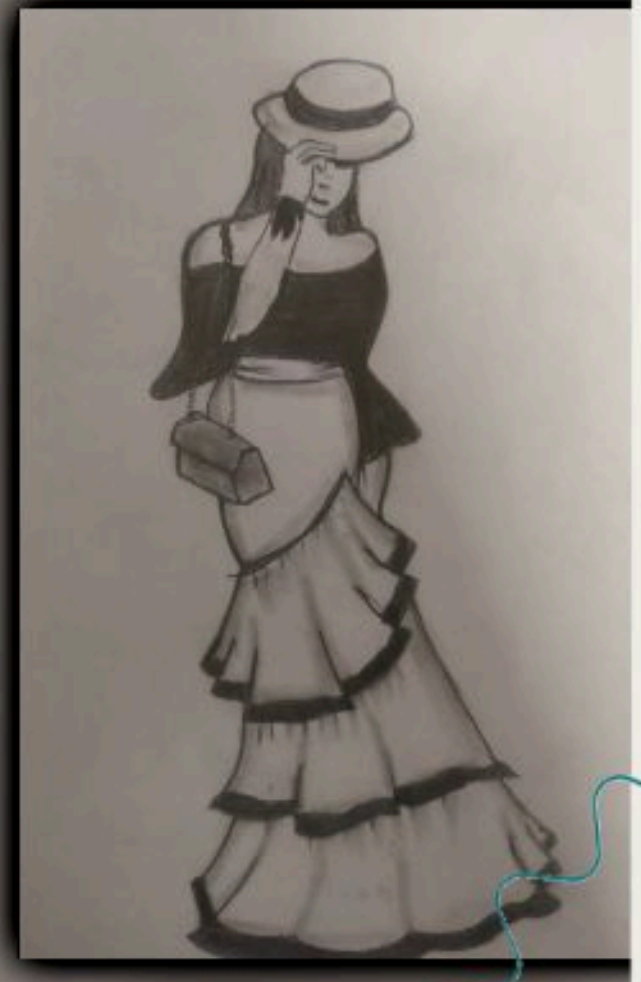
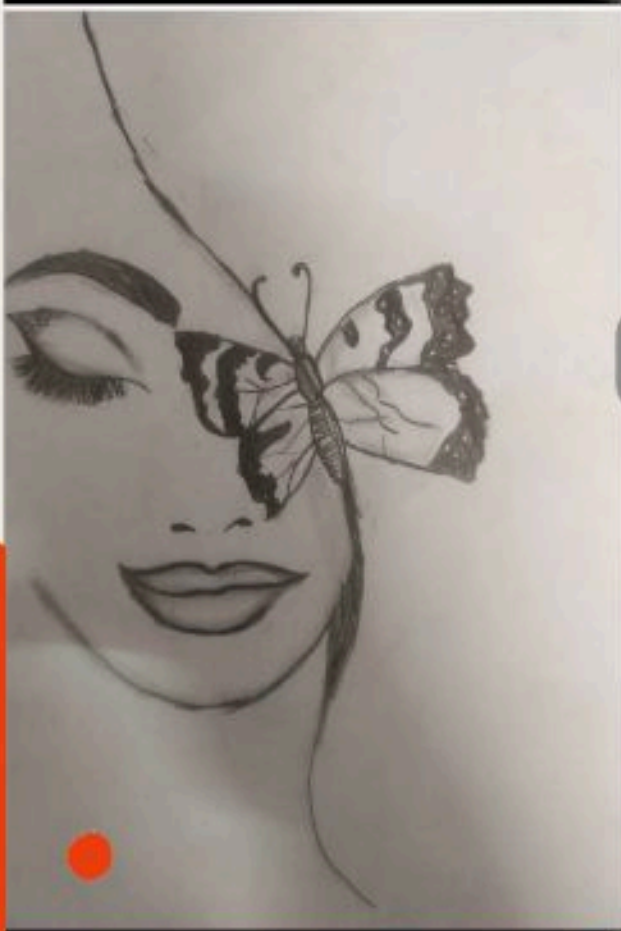
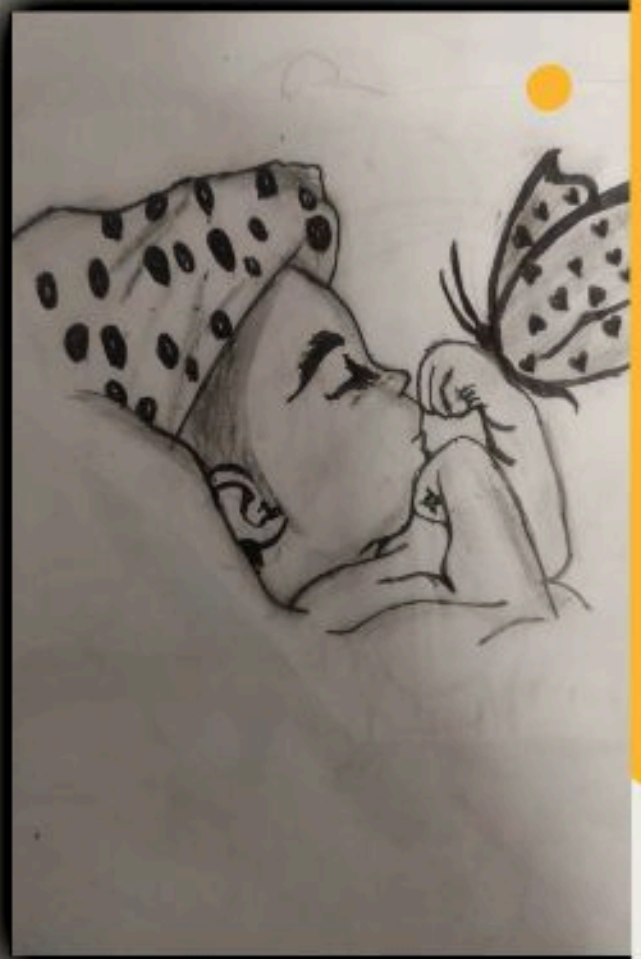
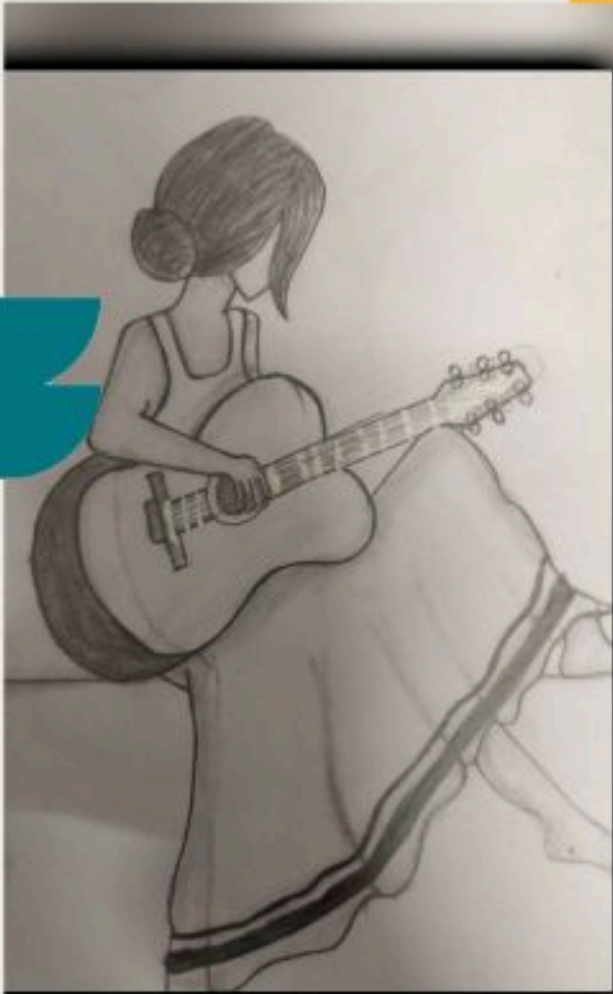
23.12.19 ♥ DOREME ♥



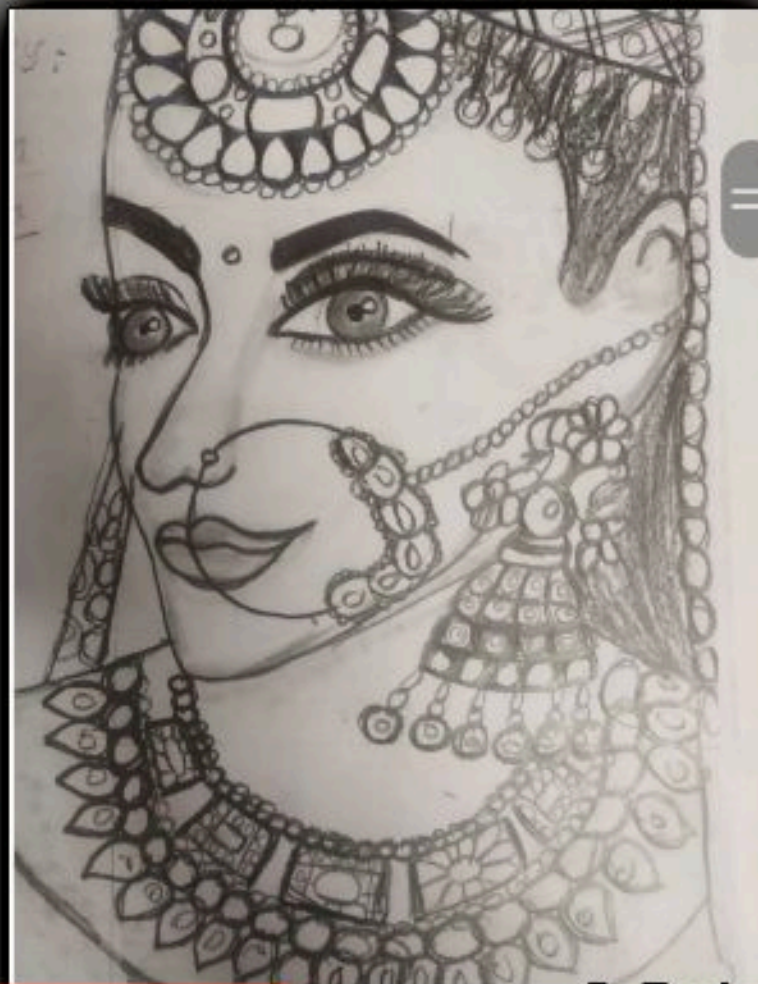
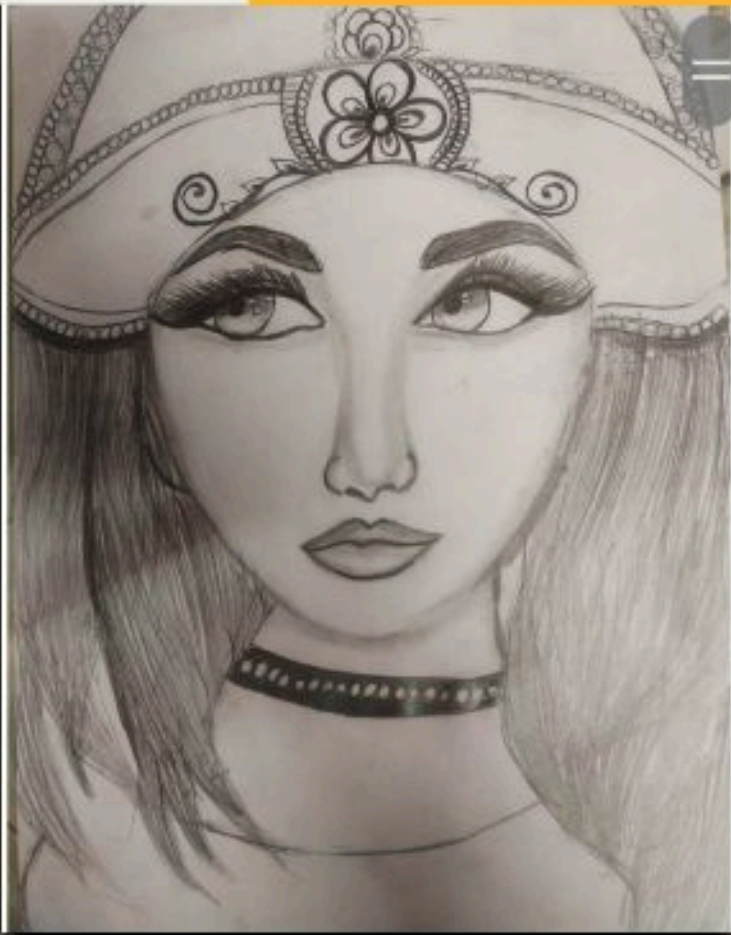
S.SAHANA

II-D





C.Rebbeca Tiara



C.Rebecca. Tiara



SS. Pasmesh

SS. Nelesh



KRISHNA SOBTI
INDIA'S BEST HINDI WRITER



**SCHOOL
PHOTO
GALLERY**

HONORABLE CHAIRMAN'S VISIT



INSPECTION DAY





NATIONAL SCIENCE DAY



"The science of today is the technology of tomorrow."

- Edward Teller

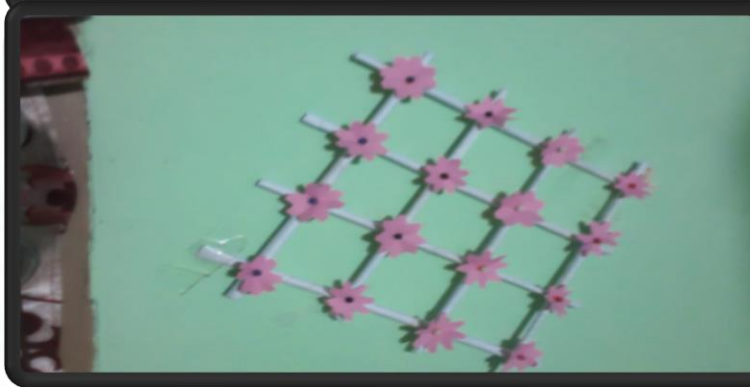
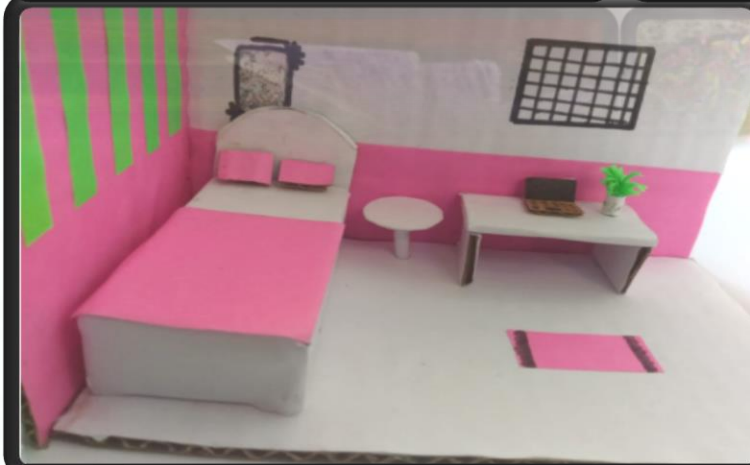
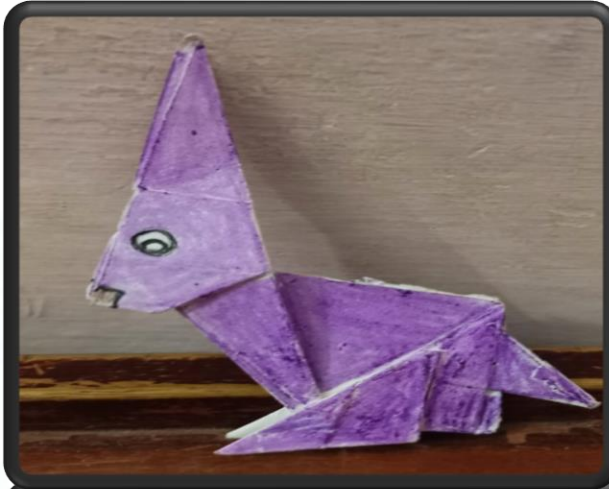


INDEPENDENCE DAY



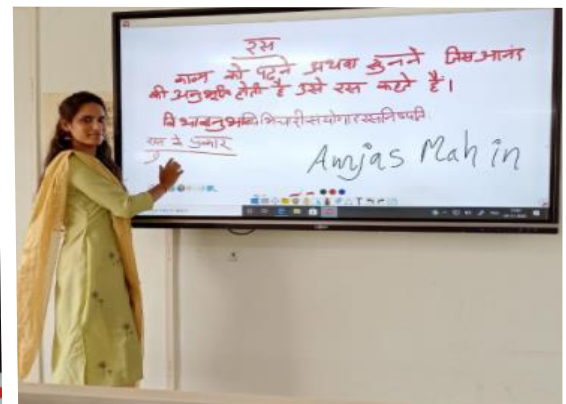
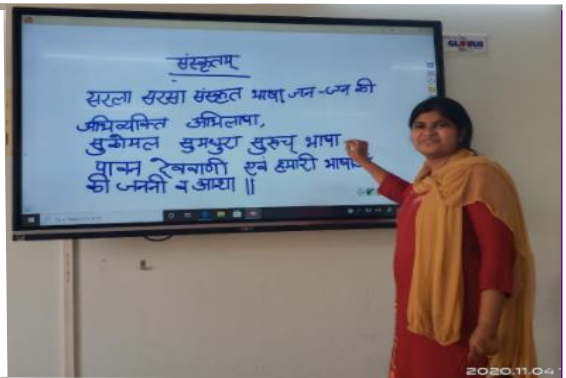


FUNDAY ACTIVITIES

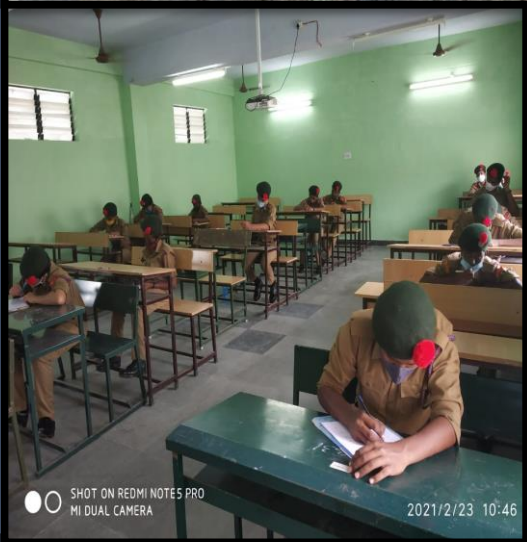




LANGUAGE LAB TRAINING



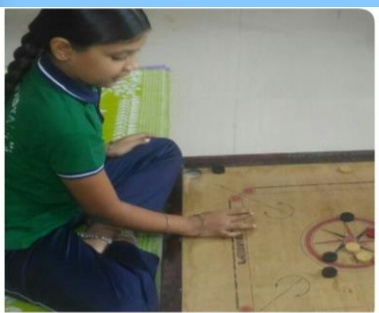
NCC



FIT INDIA



*"The groundwork for all happiness is good health."
-Leigh Hunt*



PhotoCollage



S.Raghavardhini Class and sec=8th.A



THINKING DAY CELEBRATION





TOLIC



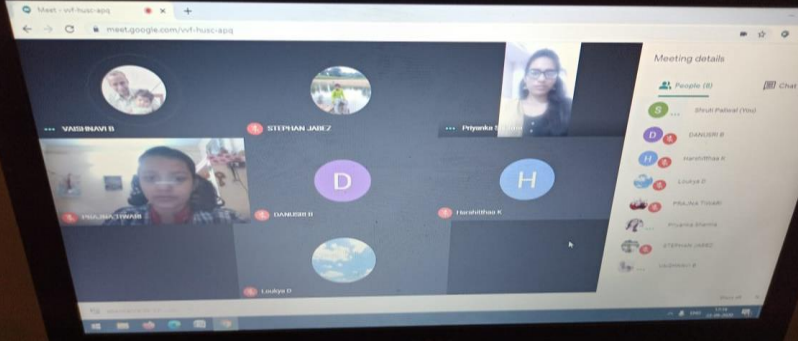
हिन्दी पखवाड़ा



हिन्दी पखवाड़ा

(14 से 28 सितम्बर)

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-१ तिरुचिरापल्ली



कबीर दास

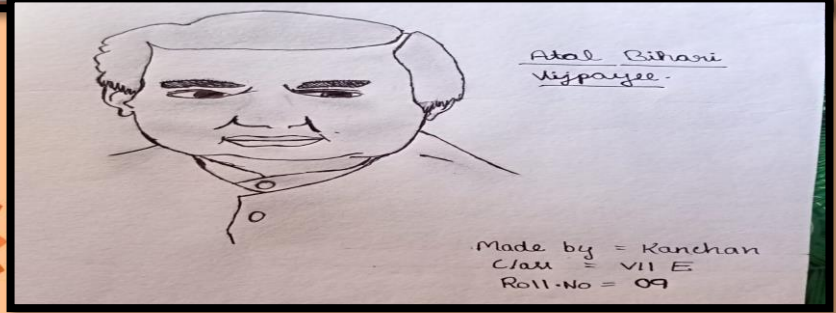
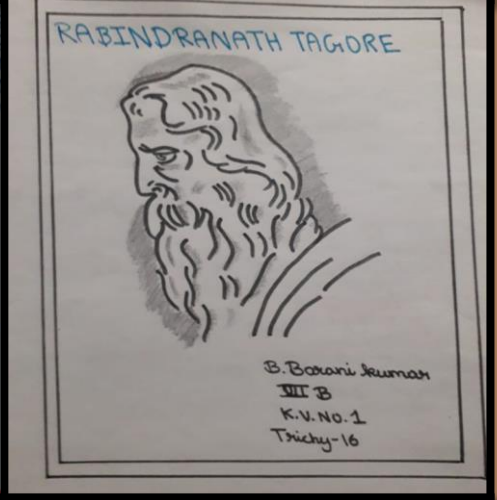
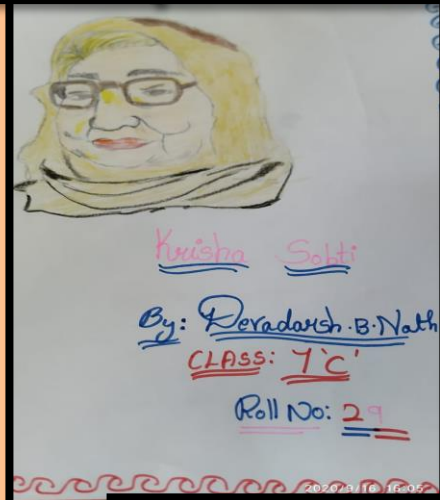
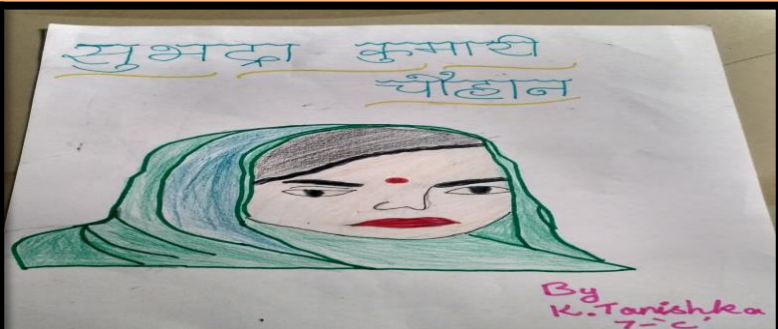
गुरु गोविंद दौड यड़े, काके लागुं पाँय ।
बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दिखे भिनाय ॥

हम. रोहित श-७'



2020-9-17 22:51

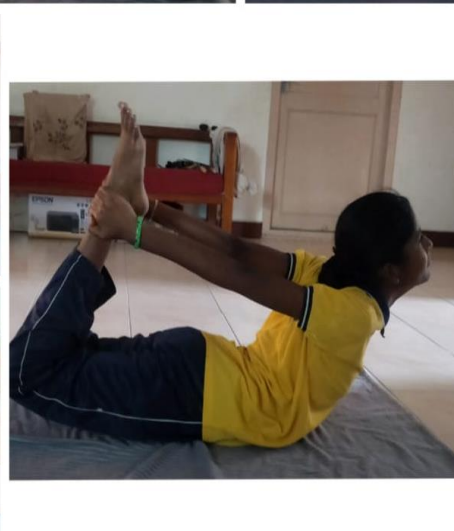
पढ़ना है, पढ़ाना है, सबको सिखाना है
हिंदी भाषा को आगे बढ़ाना है



INTERNATIONAL YOGA DAY







TEACHER'S DAY

HAPPY TEACHERS DAY

A Teacher presents the past, reveals the present and creates the future. Happy Teachers Day



S.krithika 4B



MAM...YOU ARE MY BEST TEACHER. YOU ALWAYS TEACH FROM YOUR HEART, NOT FROM THE BOOKS



**WE ALWAYS NEED YOUR LOVE, CARE, ADVICE, GUIDANCE, AND YOUR FRIENDSHIP!!!
HAPPY TEACHERS DAY
#OUR TEACHERS OUR HEROES**

HAPPY TEACHER'S DAY



my teachers are my star

By: D. K. kathirvelan



MAM, YOU ARE LIKE A CANDLE AS YOU CONSUME YOURSELF TO LIGHT THE WAY FOR US!

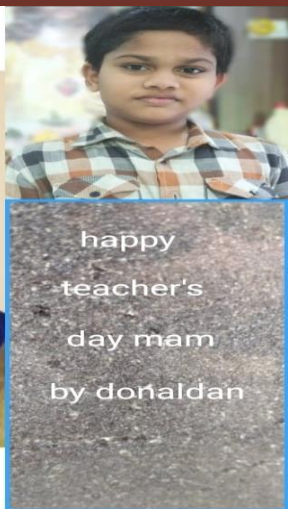


**WITHOUT YOU, WE ARE NOTHING
MAM..
HAPPY TEACHERS DAY
#OUR TEACHER OUR HEROES**



*done by j.pooja
X-B*

HAPPY TEACHER'S DAY MAM 🥰 A BRAVE AND CONFIDENTIAL TEACHER 🔥🔥 WHO TAKES CARE A LOT 😊. A GOOD LECTURER ALSO 👍 HAPPY TO HAVE U HAS A "PHYSICAL EDUCATION TEACHER 🔥🔥" KEEP SMILING ALWAYS 😊



happy
teacher's
day mam
by donaldan

Happy teacher's day mam ♥
English queen ♥
I really like the way
u talk it's really so
sweet mam ♥
Really we all blessed to have u mam ♥

**STAY SAFE
STAY HOME
HAPPILY ♥**

-K.Elakhya
x-b



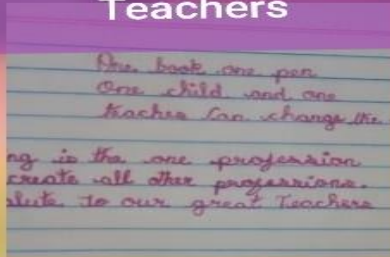
*Happy Teachers
Day*



*A good Teacher
is like a candle
who consume
himself to light
the world.
HAPPY
TEACHERS DAY*



Happy Teachers
Day To All
Teachers




*The best one per
one child and one
teacher can change the
world.
The one profession
create all other professions
tribute to our great Teachers*





Happy teachers day
 Shruthi paliwal mam....
 One of my most.... favourite
 Teacher.. sweet hearted person
 So kind and friendly mam....
 A good friend for me mam...
 Thank u so much for bringing..
 Mam
 Happy teachers day mam
 By: B.S.charu nivetha

OUR TEACHERS OUR HEROES
A VERY SPECIAL
TEACHER - VIKAS SIR

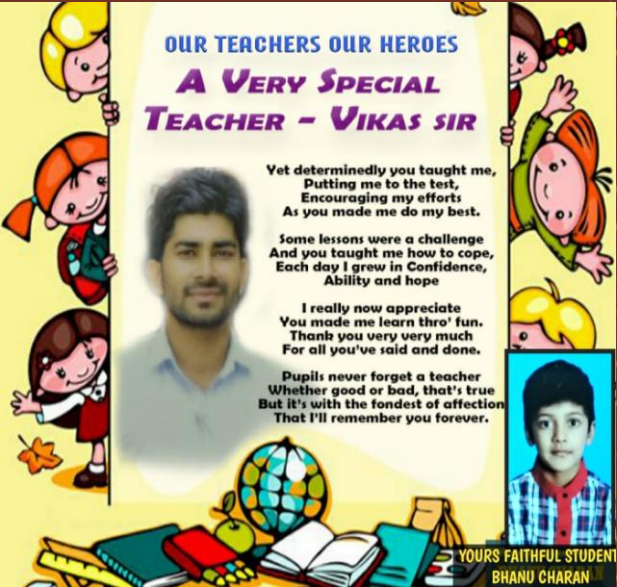


Yet determinedly you taught me,
 Putting me to the test,
 Encouraging my efforts
 As you made me do my best.

Some lessons were a challenge
 And you taught me how to cope,
 Each day I grew in Confidence,
 Ability and hope

I really now appreciate
 You made me learn thro' fun.
 Thank you very very much
 For all you've said and done.

Pupils never forget a teacher
 Whether good or bad, that's true
 But it's with the fondest of affection
 That I'll remember you forever.



YOURS FAITHFUL STUDENT
BHANU CHARAN



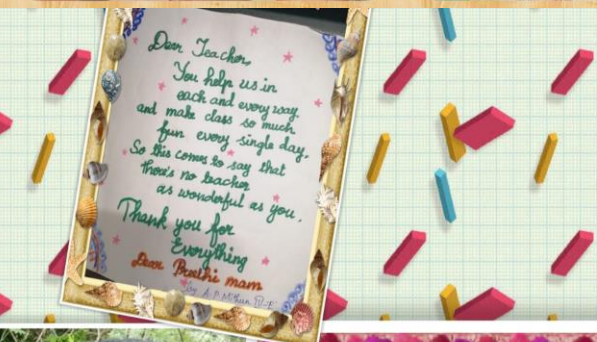
Happy teacher's day
 mam and sir

They Guide Us They Support Us

TEACHER'S DAY WISHES

- They Guide Us ...
- They Support Us ...
- They Inspire Us ...
- They Teach Us ...

Today is the day to thank them and say
Happy Teacher's Day!



With love- M.P.Harshika, VI "A"
#OUR TEACHERS # OUR HEROES
Ms Monika PRT
HAPPY TEACHER'S DAY,



Mam your the most a
 adorable gem.
 You always serve as an anchor
 of hope in all our paths.
 The way you teach us is a
 kinda of classy in flawless.
 You stood by me, motivated me
 and accompanied my path as my
 second mother.

You gave us all the reasons to dream big & all the resources to achieve it. You are a blessing in our life.
 Thank you for your love, we may not say this everyday
 but your inspirational words are like beautiful footprints that
 have been etched in our heart and mind forever



Happy Teacher's Day Ammu Mam



I have found guidance,
discipline, love and friendship
all in one person.
Thank you dearest teacher
for all your life lessons.

Happy Teacher's Day



You are not only
our teacher
You are our FRIEND,
PHILOSOPHER and
GUIDE
All molded into
one person
We will always be
GRATEFUL
for your support
Happy Teachers Day!



Happy teacher's day mam ♥

Stay home
stay safe
happily ♥

Mathematics may not teach us how to
add love or minus hate ♥ but it gives us
reason to hope that every problem has
a solution 😊

**WILL NEVER EVER FORGET U MAM THAT
MUCH U BEEN CLOSE TO US IN IYR ♥**

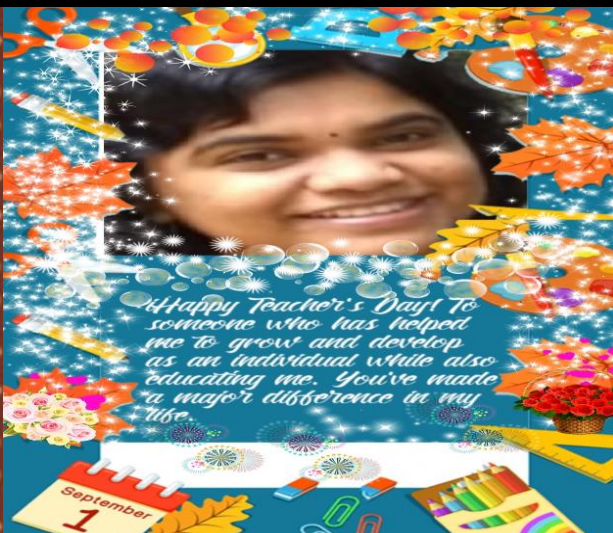
*K. Lakshya
X-B*



HAPPY TEACHERS DAY



Thanks for
being a true
mentor of
Ours Masrifa.
Name: M. Abhijit
Class: VII-E



Happy Teacher's Day! To
someone who has helped
me to grow and develop
as an individual while also
educating me. You've made
a major difference in my
life.

She is like a star
in the night
guiding my way not to
be lost and
became a better person.
She always teaches
us a good moral lesson.
Like a hero, my
teacher always helps
me whenever I have
problems in our subject



Thank you mam for
you Love, Care,
Advice and Guidance
Our Teacher Our
Heroes

HAPPY TEACHER'S DAY



#OURTEACHERS #OURHEROES MRS. KALA PGT COMMERCE

HAPPY TEACHER'S DAY TO MY MOST CARETAKER
AND SUPPORTIVE TEACHER...WITH YOUR ENDLESS LOVE
SINCE I WAS HERE IN THIS SCHOOL FOR LAST YEAR BUT..



**I LOVED THE WAY
YOU TAUGHT.....**

THE WAY YOU TEACH
THE KNOWLEDGE YOU SHARE
THE CARE YOU TAKE
THE LOVE YOU SHOWER
MAKES YOU....

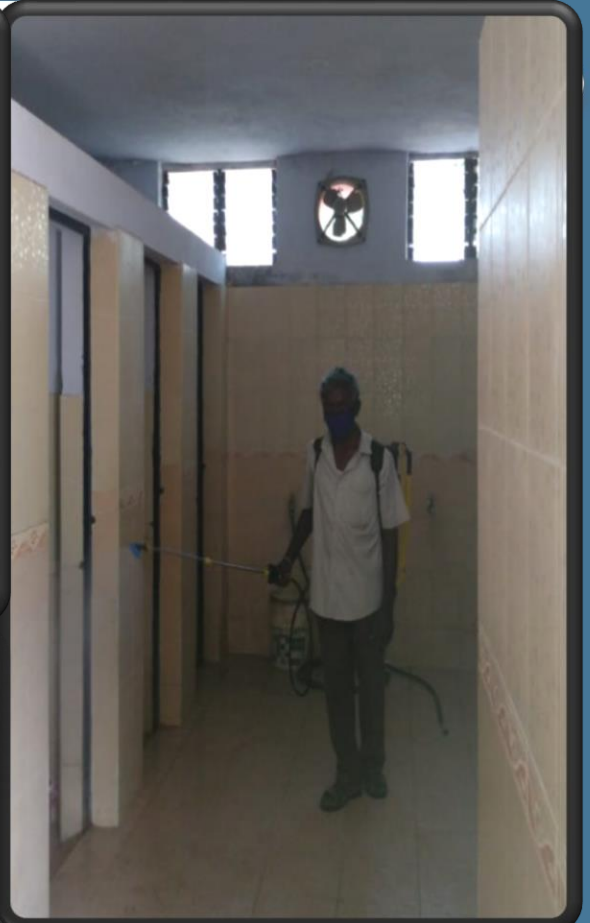
THE WORLD'S BEST TEACHER ♥


R.P. DEVA DHARSHINI 12-C

I WANT YOUR BLESSINGS THROUGH OUT MY LIFE TIME
THANKYOU FOR YOUR MOTIVATION AT MY HARD TIMES
ONCE AGAIN WISH YOU A....

HAPPY TEACHER'S DAY ♥ MAM ♥

SANTITIZATION





"Gratitude unlocks the fullness of life. It turns what we have into enough, and more. It turns denial into acceptance, chaos to order, confusion to clarity. It can turn a meal into a feast, a house into a home, a stranger into a friend. Gratitude makes sense of our past, brings peace for today and creates a vision for tomorrow."

-Melody Beatty

*Heartfelt Thanks to all
those who have
contributed
and helped
in the successful
completion of our
E-magazine "Srijan"*





*Cover page
design & layout*

*Surya.S
TGT English*

